टीएनएफ टुडे

TNF TODAY

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday   tnftoday

www.tnftoday.com / epaper ■ Trial Edition

परिवार समेत आत्महत्या कर लूंगी: भाजपा नेत्री (पेज-3)

■ पृष्ठ- 08 ■ वर्ष-01 अंक-20 ■ मूल्य ₹7 ■ रविवार ■ दिनांक- 19.07.2026

गिरिराज जी ने बहुत दिया, आप भी कुछ कर दीजिए सेठ जी

भव्य भवनों की कतार, मगर मुड़िया मेला के अवसर पर भी यहां बेरौनक

भवन के बाहर पसरी पड़ी है गंदगी, जलभराव रोक रहा परिक्रमार्थियों का रास्ता

भवन के अंदर शीतल पेय और बाहर टैंकर खड़ा करवा ओढ़ रहे समाजसेवी का पट्टा

राजेश मिश्रा

गोवर्धन (मथुरा)। गिरिराज जी की नगरी इन दिनों मुडिया मेला के उत्साह में डूबी हुई है। देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन दिन-रात एक किए हुए है। लेकिन, बड़ी परिक्रमा मार्ग पर भव्य भवनों की कतार के बाहर उतनी ही उदासीनता छाई हुई है। ऐसे वार्षिक उत्सव पर भी रंग-रोगन कराना तो दूर, बाहर व्याप्त गंदगी से उठती दुर्गंध आस्था को खिन्न कर रही है। भव्य भवनों में अपने लिए तो शीतल पेय की मशीन लगी है और बाहर आम श्रद्धालुओं के लिए टैंकर लगाकर खुद पर समाजसेवी की चादर ओढ़ रहे हैं। आश्चर्य ये है कि होटल की तरह से संचालित इन भवनों में गिरिराज जी के भक्तों को कमरों को किराए पर उठाकर मोटी कमाई की जा रही है लेकिन, इसके प्रतिफल में मुडिया मेला जैसे अवसर पर भी कुछ सेवा करने की जरूरत नहीं समझी जाती।

परिक्रमा मार्ग पर एक भवन के सामने जलभराव और भीषण गंदगी।

शुक्रवार को हमने मुडिया मेला की व्यवस्थाएं देखने को परिक्रमा मार्ग पर पग बढ़ाए। बड़ी परिक्रमा मार्ग पर कुछ कदम चलते ही बांयी ओर एक भव्य भवन नजर आया। भवन के बाहर बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था गिरिवर निकुंज। एसी रूम्स। यानी, गिरिराज जी के भक्त यहां आकर ठहरते हैं और उनसे होटल की तरह कमरों का किराया वसूला जाता है। इस भवन के बाहर व्यापक जलभराव था। पानी पर बिखरी हरी-हरी काई इस बात की साक्षी थी कि ये पानी कई दिनों से भरा हुआ है।

परिक्रमा मार्ग पर बनाए गए जल मंदिर के कर्मचारी के कमरे पर पड़ा ताला।

इतना नहीं, यहां पर भीषण गंदगी भी मिली। मुड़िया मेला तो एक वार्षिक अवसर है, जबकि, सेठ जी चाहें तो इस तरह की समस्या का स्थायी समाधान करा सकते हैं। यहां से आगे बढ़ने पर एक और भव्य भवन मिला। यहां पर भी वैसी ही दुर्गति थी। भवन की बाउंड्री से परिक्रमा मार्ग तक गंदगी ही गंदगी। एक-दो दिन की नहीं, महीनों की। ऐसा लग रहा था कि कभी-कभार ही सफाई होती है।

पूरे परिक्रमा मार्ग पर ऐसे भव्य भवनों की कतार है लेकिन, श्रद्धालुओं के लिए यहां पर कोई सुविधा नहीं है। सभी पूरी तरह से व्यवसायिक तरीके से संचालित हो रहे हैं। हां, इससे आगे चलकर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के बाहर जरूर साफ सफाई मिली। एक बात से और आश्चर्य हुआ कि पूरे परिक्रमा मार्ग पर सिर्फ भारद्वाज आश्रम पर ही रंग-रोगन होते दिखा।

पानी ही पीना है, जल मंदिर हैं ना

परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह जल मंदिर बनवाए गए हैं। यहां पर आरओ के शुद्ध पानी का दावा किया जाता है। मशीनरी लगी है। इसके संचालन के लिए नियमित रूप से एक कर्मचारी की तैनाती रहती है। उसके लिए एक कमरा भी है। एक जल मंदिर से पानी पीया लेकिन, हलक में नहीं उतरा। आसपास के लोगों ने बताया कि यहां पर कभी-कभार ही कोई श्रद्धालु पानी पीते नजर आता है। कोई प्याऊ के पास जाता है। परिक्रमा मार्ग पर बोतल पानी का लाखों रुपये का कारोबार भी इन जल मंदिरों की उपयोगिता पर सवाल खड़ा करता है।

अहमदाबाद की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग; 8 की मौत

15 गंभीर रूप से घायल

एजेंसी, अहमदाबाद।

गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। जेपीसी क्राइम ब्रांच के अधिकारी शरद सिंघल ने बताया कि हादसे के समय फैक्टरी में 15 लोग काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्टरी बिना लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन विस्फोट के कारणों की जांच में जुटे हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बिना लाइसेंस के फैक्टरी कैसे संचालित हो रही थी और सुरक्षा मानकों में कहां लापरवाही बरती गई।

'माऊ' को लाने वाले को 50 हजार का इनाम

- आगरा में लापता पालतू तोते 'माऊ' की तलाश
- परिवार ने इनाम घोषित कर लोगों से अपील की

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर के लोहामंडी रोड स्थित श्रीकांहा रेजीडेंसी निवासी और आयकर अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार का लाडला सदस्य, डेढ़ वर्षीय पालतू तोता 'माऊ', गत 13 जुलाई की शाम से लापता है। माऊ की तलाश में परिवार ने अब 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया है।

अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें माऊ 15 मार्च 2025 को एक पेड़ से गिरा हुआ मिला था। उस समय वह बहुत छोटा था। परिवार ने उसे एक बच्चे की तरह अपने मुंह से खाना खिलाकर पाला। पिछले डेढ़ साल में माऊ केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि परिवार का मुख्य सदस्य बन गया था। वह घर के सदस्यों को उनके नाम से पुकारता था। सुनील कुमार के कंधे पर बैठकर उनके साथ कार में सफर भी करता था।

घर में पसरा मातम

माऊ के लापता होने के बाद से सुनील कुमार सिंह के बच्चों, निक्की और श्रृष्टि का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटी श्रृष्टि ने सदमे के कारण खाना-पीना तक छोड़ दिया है। परिवार पिछले पांच दिनों से दिन-रात उसे शहर के हर कोने में ढूंढ रहा है। सुनील खुद सुबह 4 बजे उठकर माऊ की तलाश में निकल जाते हैं।

पहचान के लिए निशान

माऊ की पहचान के लिए विशेष विवरण दिए गए हैं। तोते की चोंच और पंखों पर काले रंग के स्पष्ट धब्बे हैं। वह इंसानों के साथ घुल-मिल जाता है और नाम लेकर पुकारता है।

जनता से अपील

सुनील कुमार सिंह ने आगरा वासियों से भावुक अपील की है। कहा है कि यदि किसी को भी 'माऊ' के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत उनसे संपर्क करें। उसे ढूंढकर लाने वाले को 50,000 रुपये का इनाम दिया जाएगा।

भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली।

लगातार 20 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार तड़के जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस के मुताबिक, यह कदम दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश के अनुपालन में उठाया गया है, जिसमें वांगचुक के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत डॉक्टरी सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए गए थे।

28 जून से भूख हड़ताल पर थे वांगचुक

सोनम वांगचुक लद्दाख की विभिन्न मांगों को लेकर बीते 28 जून से कड़े उपवास पर थे। लंबे समय से अन्न का त्याग करने के कारण उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। शुक्रवार को सामने आई एक मेडिकल रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ था कि इस अनशन के दौरान

उनका वजन लगभग नौ किलोग्राम तक कम हो गया है और उनका वजन घटकर महज 56.55 किलोग्राम रह गया है। डॉक्टरों ने उनके शरीर में आ रही इस भारी कमजोरी को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की थी, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया।

शनिवार को पुलिस की टीम जंतर मंतर पर पहुंची

शनिवार तड़के जब पुलिस टीम उन्हें चिकित्सा सहायता देने के उद्देश्य से जंतर-मंतर पहुंची, तो वहां मौजूद कुछ प्रदर्शनकारियों ने अदालती आदेश की तामील में रुकावट डालने की कोशिश की। इस वजह से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने बेहद संयम का परिचय देते हुए पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया और वांगचुक को एम्बुलेंस के जरिए सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों की टीम रख रही कड़ी निगरानी

इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने जंतर-मंतर पर डटे अन्य आंदोलनकारियों से भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण ढंग से धरनास्थल को खाली करने की अपील की है। फिलहाल, अस्पताल में डॉक्टरों की एक विशेष टीम सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उनका उपचार किया जा रहा है।

किसने क्या कहा...

''इतना अहंकार ठीक नहीं है। उन्हें (सोनम वांगचुक) जबरन उठाने की बजाय, मोदी सरकार को सोनम वांगचुक से बात करनी चाहिए थी। कॉकरोच आंदोलन को कुचलने की बजाय, देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो, सोनम वांगचुक के साथ जबरदस्ती मोदी सरकार की हार है।''

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली

''अगर उन्हें लगता है कि सोनम वांगचुक को ले जाने से यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो वे गलतफहमी में हैं। हम यहीं रहेंगे और 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेंगे।''

-अभिजित दीपके, सीजेपी फाउंडर

सब्र की परीक्षा न लें वरना...सोनम वांगचुक के सपोर्ट में उतरे अन्ना हजारे, कर दी ये मांग

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शनिवार को केंद्र सरकार से शिक्षाविद सोनम वांगचुक के साथ बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वांगचुक की मांगों पर चर्चा होनी चाहिए, जिन्हें दिल्ली पुलिस इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। हजारे ने कहा सरकार को उनकी सहनशक्ति की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। (उनकी मांगों पर) हां या ना कहें, लेकिन बातचीत करने में क्या बुराई है? वांगचुक NEET पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। शनिवार (18 जुलाई) को दिल्ली के जंतर-मंतर पर उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 21वां दिन है। हजारे की यह अपील दिल्ली में लोकपाल कानून की मांग को लेकर की गई उनकी उस भूख हड़ताल के कई साल बाद आई है, जिसने 2011 में UPA सरकार को हिलाकर रख दिया

था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सोनम वांगचुक की सेहत पर नजर रखी जाए और कोई भी कदम तभी उठाया जाए जब उनकी सेहत बिगड़े। हमारी मेडिकल टीम दिन में 2-3 बार उनकी सेहत की जांच करती है और वह खुद भी रोजाना वीडियो पोस्ट करके अपनी सेहत के बारे में जानकारी देते हैं, जो स्थिर रही है। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट के उस आदेश का गलत मतलब निकाला और उसी आदेश की आड़ में उन्हें हिरासत में ले लिया। यह हिरासत कोर्ट के आदेश की अवमानना है।

'असत्य और हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत': राहुल गांधी ने किया वांगचुक का समर्थन

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत ₹असत्य और हिंसा₹ हैं।कांग्रेस सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे। कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि वांगचुक को वहां से हटाने की घटना देश के लोकतंत्र और संविधान पर एक ₹कलंक₹ है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है।

27 साल बाद खेरागढ़ कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पहचान बदलकर भोपाल में रह रहा था 50 हजार का इनामी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा पुलिस ने 27 वर्ष पुराने चर्चित खेरागढ़ पुलिस हमला और दो पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 1999 में पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी एवं ?50 हजार के इनामी बदमाश भूरा पुत्र साबू को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पिछले 27 वर्षों से कानून की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने अपना नाम, पहचान और रहन-सहन तक बदल लिया था। इतना ही नहीं, पुलिस को गुमराह करने के लिए उसके परिजनों ने उसकी मौत की अफवाह तक फैला दी थी।

डीसीपी पश्चिम आदित्य कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी एसीपी खेरागढ़, थाना खेरागढ़ पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम के संयुक्त अभियान का परिणाम है। महीनों लगातार तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र और गोपनीय सूचनाओं पर काम करने के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल हुई।

पुलिस के अनुसार वर्ष 1999 में खेरागढ़ क्षेत्र में पुलिस टीम बदमाशों की तलाश में गई थी। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमले में पुलिसकर्मियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई, जिसमें कमल सिंह और चरण सिंह शहीद हो गए थे। घटना के दौरान बदमाश पुलिस की तीन सरकारी राइफलें भी लूटकर फरार हुए थे। वारदात के बाद भूरा लगातार फरार रहा।

जमील पुत्र फारूक खान के नाम से बनाई पहचान

गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने मध्य प्रदेश के भोपाल में अपनी नई पहचान बना ली। वह ह्लजमील पुत्र फारूक खानह्व के नाम से रह रहा था। सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन व्यतीत कर रहा था, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस की नजरों से बचने के लिए उसने वर्षों तक अपनी वास्तविक पहचान पूरी तरह छिपाए रखी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिजनों ने उसकी गिरफ्तारी से बचाने के लिए यह अफवाह फैला दी थी कि भूरा की मौत हो चुकी है। इस अफवाह के चलते लंबे समय तक पुलिस को भी उसके बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। हालांकि पुलिस ने मामले को बंद नहीं किया और लगातार उसकी तलाश जारी रखी। इसी दौरान भोपाल में उसकी मौजूदगी के इनपुट मिले। जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस रिमांड पर लेकर करेगी पूछताछ

पुलिस के अनुसार वर्ष 1999 की घटना में लूटी गई तीन सरकारी राइफलों में से एक राइफल अभी भी बरामद नहीं हो सकी है। अब पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। ताकि फरारी के दौरान उसकी गतिविधियों, उसे शरण देने वाले लोगों और लूटी गई शेष सरकारी राइफल के बारे में जानकारी मिल सके। डीसीपी पश्चिम आदित्य कुमार ने बताया कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। कानून से बचने की कोशिश करने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि 27 वर्ष बाद मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी आगरा पुलिस की बड़ी सफलता है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नकली दवा माफिया गिरफ्तार

नामी कंपनी की नकली दवाओं के निर्माण और बिक्री के मामले में कई अन्य आरोपी भी रडार पर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कथित दवा माफिया सुरेंद्र गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर नामी कंपनी की नकली 'ऑक्साल्जिन डीपी' दवा का निर्माण, भंडारण और बिक्री करने का आरोप है। मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

जानकारी के अनुसार, औषधि विभाग को लंबे समय से शहर में नकली दवाओं के निर्माण और सप्लाई की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान सामने आया कि बाजार में एक प्रतिष्ठित कंपनी के नाम से नकली 'ऑक्साल्जिन डीपी' दवा तैयार कर उसे बेचा जा रहा था। इसके बाद औषधि निरीक्षक ने पूरे मामले की जांच कर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी।

साक्ष्यों और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सुरेंद्र गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी लंबे समय से नकली दवाओं के कारोबार से जुड़ा हुआ था और उसके नेटवर्क की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह बाजार में नकली दवाओं की सप्लाई कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह सिंडिकेट कितने समय से सक्रिय था और अब तक कितनी मात्रा में नकली दवाएं बाजार में पहुंचाई जा चुकी हैं। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा कर सकती है। अधिकारियों ने कहा कि नकली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि दवा खरीदते समय उसकी पैकेजिंग, बैच नंबर और गुणवत्ता की जांच अवश्य करें।

प्रसूता की मौत पर परिजनों का हंगामा

अस्पताल संचालिका ताला लगाकर मौके से भागी

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

प्रसव के दौरान गुरुवार रात प्रसूता की मौत से परिजनों ने झोलाछाप से प्रसव कराने का आरोप लगाया। परिजनों ने हॉस्पिटल पर जमकर हंगामा काटा। संचालिका हॉस्पिटल बंदकर भाग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कविता पत्नी रामशंकर निवासी गईयनपुरा थाना पिढौरा ने बताया कि उनकी बहन सविता पत्नी अवनीश कुमार उम्र 19 वर्ष निवासी टयूबेलपुरा भदरौली बाह का 16 जुलाई को कस्बा फतेहाबाद केके हॉस्पिटल में प्रसव के लिए लाए थे। हॉस्पिटल की संचालिका के द्वारा प्रशिक्षित डॉक्टर से सुरक्षित प्रसव कराने की आश्वासन दिया गया था। लेकिन प्रसव के कुछ समय बाद ही हालत खराब हो गई। हास्पीटल वाले उसे आगरा ले गए और कुछ समय बाद वापस आ गए। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हास्पीटल वाले सविता को सौंपकर हास्पीटल बन्दकर भाग गए। जिसको लेकर शनिवार सुबह परिजनों के द्वारा जमकर हंगामा किया गया। आरोप लगाया है कि झोलाछाप से प्रसूता का ऑपरेशन कर प्रसव कराया गया। लापरवाही से प्रसूता की मौत हुई है। भाई विष्णु ने आरोप लगाया है कि संचालिका खुद प्रशिक्षित नहीं है। जिस डॉक्टर ने ऑपरेशन किया है वह भी झोलाछाप है। जबकि पूर्व में संचालिका का पति बच्चा बेचने वाले गिरोह के सदस्य के रूप में अभी भी जेल में है। ऐसे अस्पताल संचालक के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर अस्पताल को बंद कराया जाए। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए।

लूट के दो आरोपी पकड़े, तीन फरार

बाइक सवारों ने आंखों में मिर्च झोंक कर की थी लूट

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर आंखों में मिर्ची पाउडर झोंक कर बाइक व मोबाइल लूटने वाले दो लुटेरों को पुलिस ने बाइक सहित पकड़ा है। जबकि उनके तीन साथी फरार हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाशचंद्र पुत्र महाराम निवासी मनोहरपुर अपनी बाइक से भरापुर से आगरा जा रहा था। तभी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की भरापुर पुलिया के पास दो बाइकों पर आए लोगों के द्वारा आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर कैलाशचंद की एचएफ डीलक्स बाइक व मोबाइल व बारह सौ रुपए लूट ले गए। तभी कैलाश चंद की सूचना पर रिश्तेदार व पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। कैलाशचंद की तहरीर पर थाना फतेहाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था। तभी पुलिस बीती रात चेकिंग कर रही थी तो मुखबिर ने बताया कि लूटी हुई बाइक को बेचने की फिराक में कुछ लोग

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की रूपपुर पुलिया के पास खड़े हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ा लिया। जिनके पास से लूटी हुई बाइक व मोबाइल तथा एक तमंचा, दो कारतूस बरामद हुए। उन्होंने अपना नाम रोहित पुत्र राजवीर उर्फ राजवीर निवासी रूदिवारी उम्र 22 वर्ष, धनीराम पुत्र हरिश्चंद्र निवासी गट्टपुरा थाना फतेहाबाद बताया। वहीं तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, सागर सिंह, शिवप्रकाश सिंह, श्रीकांत वर्मा, याशिर बेग सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लिए आवेदन 21 तक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर में 1,522 जोड़ों के सामूहिक विवाह के लिए जेम पोर्टल पर ई-बिड जारी, सामग्री व सेवाओं की व्यवस्था के लिए पात्र फर्मों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के द्वितीय चरण के सफल आयोजन के लिए जनपद आगरा में आवश्यक सामग्री एवं सेवाओं की व्यवस्था हेतु जेम (जेम) पोर्टल के माध्यम से ई-बिड आमंत्रित की गई है।

जिले में 1,522 जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन प्रस्तावित है। इसके लिए प्रति जोड़ा 15,000 की दर से सामग्री एवं सेवाओं की व्यवस्था कराई जाएगी।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

आगामी 22 जुलाई को खेरागढ़ कस्बे के सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित होने वाले विधानसभा खेरागढ़ बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शनिवार देरशाम कार्यक्रम संयोजक एवं नगर पंचायत चेयरमैन सुधीर गर्ग 'गुड्डु' के आवास पर महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हरिओम रावत एवं जिला उपाध्यक्ष राजकुमार कुशवाह ने विधानसभा खेरागढ़ के सभी मंडल अध्यक्षों एवं मंडल महामंत्रियों के साथ सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, सम्मेलन में अधिकतम बूथ अध्यक्षों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया।

बैठक में नगर मंडल अध्यक्ष कपिल जिंदल, देहात मंडल अध्यक्ष पवन सिकरवार, जगनेर मंडल अध्यक्ष सोनू शर्मा, इरादतनगर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र त्यागी तथा सैया मंडल अध्यक्ष प्रमोद कुशवाह सहित विधानसभा के मंडल महामंत्री एवं अन्य संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

अनियंत्रित डंपर मकान में घुसा

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

कस्बा के कागरौल मार्ग पर अवंतीबाई प्रवेश द्वार के समीप शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कागारौल की ओर से आ रहे बेकाबू कंटेनर से टक्कर बचाने के प्रयास में गिट्टी से भरा एक डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एडवोकेट अजब सिंह सिकरवार के मकान में जा घुसा। भीषण टक्कर से मकान का लोहे का मुख्य गेट, मजबूत पक्का पिलर और प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास के लोग तेज धमाके की आवाज सुनकर घरों से बाहर निकल आए। गनीमत रही कि हादसे के समय एडवोकेट

अजब सिंह सिकरवार सहित परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। देर रात होने के कारण मुख्य गेट के बाहर भी कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद डंपर चालक को पहुंची पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हादसे में मकान को भारी नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार भारी वाहनों का संचालन कुछ दिनों से बढ़ गया है जोकि लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे है। लोगों ने प्रशासन से यहां भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण और नियमित निगरानी की मांग की है।

एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर में 452 कैडेट्स शामिल

आगरा। 2 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का भव्य उद्घाटन शनिवार को शारदा यूनिवर्सिटी परिसर में हुआ। शिविर में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 452 कैडेट्स हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कैम्प कमांडेंट कर्नल एन पी सेमल्टी ने कैडेट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स से शिविर में पूरे उत्साह के साथ सैन्य विधाएं सीखने का आह्वान किया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एकता, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना है। इस दौरान कैंप एजुडेंट कैप्टन बीबी शर्मा, कैम्प क्वार्टर मास्टर कैप्टन श्याम अवध यादव, चीफ ऑफिसर रविन्द्र कुमार जैन, सूबेदार मेजर शकील अहमद, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार कमलजीत सिंह, नायब सूबेदार रविंद्र जीत सिंह सहित सेकेंड ऑफिसर नवज्योत सिंह, जुग्गी लाल वर्मा, मनोज पंत, जीसीआई आरती व सैन्य स्टाफ मौजूद रहा।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक घायल

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह चालक को झपकी आने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इससे बाइक सवार घायल हो गया। सूचना पर पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार अरविंद पासवान पुत्र रामपाल पासवान निवासी कमालपुर थाना छपिया जिला गोंडा दिल्ली से गोंडा जा रहा था। थाना फतेहाबाद क्षेत्र में शनिवार सुबह 4:15 पर पहुंचा तो बाइक चालक को झपकी आने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बाइक सवार घायल को गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम सुधीश कुमार शुक्ला ने बताया कि बाइक चालक को झपकी आने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। घायल बाइक सवार को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेज दिया गया है।

विजय विहार कॉलोनी में सड़क निर्माण शुरू

कैबिनेट मंत्री ने चौपाल लगाकर जनता से किया संवाद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री और आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेंद्र उपाध्याय ने क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए अलबतिया स्थित विजय विहार कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य का भव्य शुभारंभ किया। इस विकास कार्य की सौगात देने के बाद कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय निवासियों के साथ आयोजित एक भव्य जनता की चौपाल में प्रतिभाग किया और क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार निरंतर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और चौमुखी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की।

इस मौके पर संतोषी लाल, महामंत्री शिवाजी मंडल, संजय शर्मा, ब्रज प्रदेश अधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डॉ. प्रदीप उप्रेती वरिष्ठ चिकित्सक समाजसेवी, वीके शर्मा, हरी शंकर, अंकित गर्ग, अध्यक्ष विजय विहार कॉलोनी, एसडी शर्मा, अनूप अग्रवाल ने जन चौपाल का संचालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ स्थानीय नागरिक वीके शर्मा ने की।

नाला निर्माण को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

नगर पंचायत फतेहाबाद की ओर से गढ़ी उदयराज रोड पर नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जिसके विरोध में शनिवार को बड़ी संख्या में पीतावाली पोखर की महिला व पुरुष मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए काम बंद करा दिया। बुलडोजर से नाले में मिटटी डलवा दी गई।

पीतावाली पोखर निवासी धर्मेंद्र कुशवाहा ने बताया कि नगर पंचायत फतेहाबाद की ओर से नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जिसका पानी गांव के पास बनी पीतावाली पोखर में छोड़ा जा रहा है। जिससे नाले में पूरे कस्बे का पानी आएगा और पोखर ओवरफ्लो हो जाएगी और घरों में पानी घुसेगा। जिसके विरोध में शनिवार दोपहर को बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं मौके पर पहुंची और नारेबारी करते हुए हंगामा शुरू कर कर दिया।

वहीं महिलाओं का आरोप था कि कस्बे का पूरा पानी इसी नाले से होकर हमारे गांव की पोखर में छोड़ा जाएगा जिससे पोखर ओवरफ्लो हो जाएगी और घरों में पानी घुस जाएगा। ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने करीब 3 घंटे हंगामा किया। और नाले निर्माण कार्य बंद करा दिया गया। बुलडोजर की सहायता से नाले में मिटटी डलवा दी गई। इस दौरान भानो देवी, रविता, ममता देवी, ग्राम प्रधान बीपी सिंह, अंगूरी देवी, मीरा देवी, फूलन देवी, मानिकचंद, बंटू मनोज, सूरज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं मौजूद रहीं।

संपूर्ण समाधान दिवसः

72 शिकायतों में मौके पर एक का भी निस्तारण नहीं

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

शनिवार को तहसील फतेहाबाद मे संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपरजिलाधिकारी युमनाधर चौहान की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें 72 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें से मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। शिकायतों को एक सप्ताह के अंदर गुणदोष के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गए।

तहसील क्षेत्र के ग्राम रैपुरा निवासी ब्रह्मलाल पुत्र अजब सिंह ने शिकायत देते हुए बताया कि ग्राम सभा की जमीन गाटा संख्या 102 गांव के मृत पशुओं को डालने की जगह के लिए अंकित है। वहीं किसान का आरोप है कि गांव के दबंग लोगों ने उक्त भूमि पर मकान बनाकर कब्जा कर लिया है। किसान का आरोप है कि उक्त भूमि को लेकर कई बार शिकायत की गई है। शिकायत देकर किसान ने कार्रवाई की मांग की है। तहसीलदार शेखर कुमार मिश्रा, एसीपी शमशाबाद राजीव रंजन, एसडीओ फतेहाबाद गौरव राजपूत, एडीओ महेंद्रपाल सिंह सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

9 से 15 वर्ष की बालिकाओं को लगेंगे टीके

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद खंदारी परिसर स्थित जेपी सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में दीक्षोत्सव कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत ₹स्वस्थ बेटी, खुशहाल परिवारः माँ-बेटी स्वास्थ्य चर्चा₹ विषय पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, एचपीवी वैक्सीन के प्रति जागरूकता, महिला स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता तथा माँ-बेटी के बीच संवाद को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं मॉडल स्कूल की महिला शिक्षिकाओं, महिला कर्मचारियों तथा उनकी किशोरी बेटियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और साथ ही स्वास्थ्य सम्बंधित सवाल भी पूछे.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुरुषोत्तम दास सावित्री देवी हॉस्पिटल के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. संदीप अग्रवाल तथा एसएन मेडिकल कॉलेज की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या यादव उपस्थित रहीं।

छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, अछनेरा, विचपुरी और शाहगंज में भूजल संरक्षण पर कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भूजल सप्ताह के तृतीय दिवस पर भूजल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं भूजल संसाधनों के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से विकास खण्ड-अछनेरा, के सभागार में एडीओ पंचायत की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन कर भू-जल संचयन, संरक्षण एवं सम्बर्धन के सम्बन्ध में वाद-संवाद कर जल शपथ दिलाई गयी। विकास खण्ड विचपुरी के सभागार में एडीओ पंचायत की अध्यक्षता में आमजनों को पैम्पलेट वितरण कर रैली का अयोजन किया गया। उपस्थित जनों को जल शपथ दिलायी गयी।

उक्त से अतिरिक्त राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, शाहगंज, आगरा में छात्राओं को जागरूक करने हेतु भूजल गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भूजल सप्ताह आयोजन के मुख्य विचार बिन्दु जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प के दृष्टिगत उपस्थित छात्राओं द्वारा भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में भूजल संचयन पर लघु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, श्लोगन, निबन्ध एवं चित्रकला की आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया गया। विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में हाइड्रोलॉजिस्ट अवधेश कुमार भाष्कर ने जल शपथ का प्रतिज्ञान किया।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, चालक की मौत

टीएनएफ टुडे, सैंया।

आगरा-ग्वालियर हाईवे पर खड़े ट्रक से बाइक टकरा जाने के कारण बाइक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, औरैया जिले के थाना अजीतमल क्षेत्र के गांव चादूपुरा निवासी सूर्य प्रताप सिंह (30) पुत्र मंगल सिंह अपने साथी सुरजीत सिंह के साथ दिल्ली से बाइक द्वारा अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक आगरा-ग्वालियर हाईवे स्थित गांव सिकंदरपुर के पास पहुंची। तभी सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक चालक सूर्य प्रताप सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा सुरजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही थाना सैंया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल सुरजीत सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर कर दिया गया।

कबड्डी में शिवाजी हाउस बना विजेता

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

श्री महावीर जी पब्लिक स्कूल में खेल भावना और उत्साह के साथ आयोजित इंटर हाउस कबड्डी प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता के बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में शिवाजी हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रमन हाउस की टीम को मात दी। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। शिवाजी हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन रेडिंग और मजबूत डिफेंस के बल पर मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी। निर्धारित समय की समाप्ति तक शिवाजी हाउस ने 21 अंक हासिल किए। जबकि रमन हाउस की टीम 17 अंक ही बना सकी।

इस तरह शिवाजी हाउस ने 4 अंकों के अंतर से खिताबी मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर संजय शर्मा, पीटीआई सादिक अली, मानसी, अमिता यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

परिवार समेत आत्महत्या कर लूंगी: भाजपा नेत्री

पार्टी के ही पार्षद हरिओम गोयल पर ब्लैकमेलिंग का आरोप

- कहा, वीडियो वायरल करने की लगातार देता है धमकी
- कमला नगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट, बताया जान का खतरा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा के कमला नगर क्षेत्र से भाजपा पार्षद के खिलाफ एक भाजपा महिला नेत्री ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की शिकायत थाना पुलिस से करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

कपड़ा मंदिर के सामने, बल्केश्वर निवासी ममता शर्मा ने वार्ड संख्या 84 के भाजपा पार्षद हरिओम गोयल उर्फ बाबा के खिलाफ कमला नगर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि पार्षद उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर उन्हें व उनके परिवार को भयभीत करने का प्रयास कर रहा है। नेत्री ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई तथा साइबर अपराध के तहत जांच की मांग की है। ममता शर्मा ने अपनी समस्या को लेकर पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से मुलाकात की थी।

पुलिस आयुक्त के आदेश पर ही 17 जुलाई को थाना कमला नगर में उनकी तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। दर्ज रिपोर्ट में ममता शर्मा ने कहा है कि भाजपा पार्षद हरिओम गोयल उर्फ बाबा पिछले कुछ समय से उन्हें लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहा है। पार्षद ने एक पत्रकार से फोन पर कथित तौर पर कहा कि उसके पास ममता शर्मा की एक वीडियो है, जिसे वह वायरल कर देगा। इसके अलावा वह अन्य लोगों के सामने भी यह कह रहा है कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा।

नेत्री का कहना है कि यदि वास्तव में आरोपी के पास उनकी कोई फोटो, वीडियो अथवा अन्य सामग्री है और उसे सार्वजनिक करने या वायरल करने की धमकी दी जा रही है, तो यह ब्लैकमेल, आपराधिक धमकी और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। वहीं यदि ऐसी कोई सामग्री उसके पास नहीं है, तब भी झूठी बातें फैलाकर उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की कोशिश की जा रही है।

ममता शर्मा ने आरोप लगाया है कि हरिओम गोयल उर्फ बाबा प्रभावशाली और दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है। अपने राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए उन्हें डराने और दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण उन्हें, उनके पति और बच्चों को अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर आशंका बनी हुई है।

ममता शर्मा ने कहा कि वे इतनी परेशान हो चुकी हैं कि परिवार के साथ आत्महत्या कर लेंगी। उनके परिवार की शांति भंग हो गई है। पुलिस से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए हरिओम गोयल उर्फ बाबा के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में अभी आरोपी पक्ष की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तय समय में हो शिकायतों का निस्तारण: डीएम

- तहसील सदर के संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी ने की
- कुल 139 शिकायतें हुईं प्राप्त, 19 का मौके पर निस्तारण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

तहसील सदर में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों को राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता से संपर्क करें तथा उनसे वार्ता कर शिकायत को निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण होने के बाद शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। निस्तारण आख्या में सम्पूर्ण घटनाक्रम को अंकित करते हुए पोर्टल पर अपलोड की जाए।

तहसील दिवस के दौरान कुल 139 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 19 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों में मुख्यतः विद्युत, पेंशन, राशन, भूमि विवाद, चकरोड निर्माण/अतिक्रमण, नाली निर्माण, अवैध अतिक्रमण आदि से सम्बन्धित रहीं। 42 राजस्व विभाग, 28 पुलिस विभाग, 18 नगर निगम, 09 आगरा विकास प्राधिकरण, 04 विकास खंड, 01 शिक्षा विभाग, 08 टोरेंट पावर/विद्युत, तथा 29 अन्य से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई।

मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, डीसीपी सैयद अली अब्बास, उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, तहसीलदार सत्येंद्र कुमार, नायब तहसीलदार प्रियंका चौधरी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

वंस मोर सीजन-4 में गूंजी

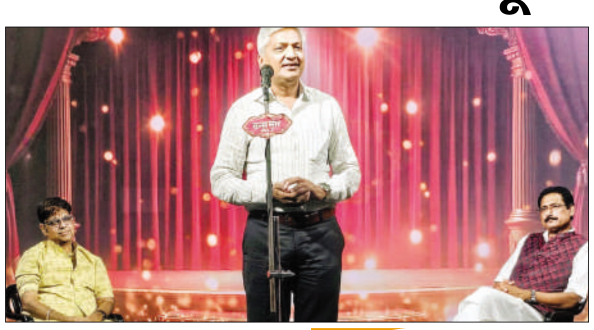

- आगरा के कवियों की आवाज
- दूरदर्शन उत्तर प्रदेश पर कार्यक्रम का प्रसारण 20 को

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दूरदर्शन उत्तर प्रदेश के चर्चित कार्यक्रम वंस मोर सीजन- 4 कवि सम्मेलन में आगरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री चेतना शर्मा संग कुमार ललित के काव्य-पाठ को देश के जाने-माने कवियों की सराहना मिली।

राम शब्द बेनूर के निर्देशन और संयोजन तथा जाने-माने हास्य कवि स्माइल मैन डॉ. सर्वेश अस्थाना के बेहतरीन संचालन में आगरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री चेतना शर्मा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा सम्मानित कवि कुमार ललित, मेरठ के विख्यात कवि सौरभ जैन 'सुमन' और शाहजहाँपुर के डॉ. इंदु अजनबी ने भी अपने काव्य-पाठ से सबको भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रसारण 20 जुलाई, सोमवार को शाम 7:30 बजे केवल डीडी यूपी पर किया जाएगा।

फाइलों के बीहड़ में फंसा अभागा बाह

यहां के तीन मोहरे- विकास, वन विभाग और सुप्रीम कोर्ट

टीएनएफ टुडे, आगरा।

'मेरी अपनी बाह' झ सचमुच अनाथ है! मेरी अपनी बाह, जिसका दूर-दूर तक कोई धनी-धोरी नजर नहीं आता। यहाँ पानी के नाम पर सूखी नालियां मुंह बाए खड़ी हैं। बरसात या गंदे पानी की निकासी एक समस्या बनकर रह गई है। यहाँ की सड़कें तहसील के आसपास तालाब या दलदल का भ्रम पैदा करती हैं। जिन्हें देखकर शायद राहगीर भी भूल जाएं कि वो सड़कों पर चल रहे हैं या किसी दल-दल में। वन विभाग का पहरा और योजनाओं का वनवास वाह रे वन विभाग! इस महकमे की आड़ में दर्जनों विकास योजनाएं ऐसी परमिशन की चक्की में पिसी हैं कि सालों से अधर में लटकी हैं।

लगता है बाह के विकास और वन विभाग के बीच सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का ऐसा 'चूहा-बिल्ली' का खेल चल रहा है, जिसका नतीजा सिर्फ 'शून्य' है। अर्जुन तो हैं, पर खेल का मैदान कहाँ? इस तहसील में एक-दो नहीं, बल्कि कई 'अर्जुन' खेल की दुनिया में चमक रहे हैं, लेकिन उन अर्जुन को अभ्यास करने के लिए एक अदना सा खेल का मैदान तक नसीब नहीं! खेल प्रतिभाएं सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ रही हैं। अस्पताल का अभाव और दबंगई की दास्तान। हद तो तब हो गई जब तहसील में बना-बनाया, चालू महिला अस्पताल ही खत्म कर दिया गया। आम जनता स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तरस रही है, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती।

यहाँ दबंगई तो सबने देखी थी, लेकिन अब तो 'नंगाई' भी सड़कों पर नाचती दिखती है। 'जय भोले की स्थली' कहे जाने वाले इस क्षेत्र को सिस्टम ने असहाय धंधे की एक स्कीम बनाकर रख दिया है। पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य... खलनायक कौन? आमजन को अब अच्छी तरह समझ आ चुका है कि बाह के विकास में खलनायक कौन है। पेयजल, शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य और वन विभाग का सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते विकास में बाधक बनना, या सिस्टम की आड़ में इन बाधाओं को ढाल बना लेना यहाँ कोई नई बात नहीं है। सिस्टम के नाम पर 'शून्य' का सन्नाटापुलिस और डाकुओं की तकरार कब शांत हुई, यह तो कोई नहीं बता सकता। लेकिन बाह की बदहाली की कहानी जस की तस बनी हुई है। ऐसा लगता है कि यहाँ के हुक्मरानों का एक ही नारा है–₹योजनाएं बनाओ, कागजों में उलझाओ, आम जनता को भगवान भरोसे छोड़ जाओ।₹ बाह की इस बेबसी को देखकर बस यही निकलता है–वाह रे सिस्टम, वाह!

दिल खुश हो गया, गंगा नहा ली
अपनी गली में नदी बहा दी...।

आग बुझाने का दिया प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शिवदयाल शर्मा सेवानिवृत्त सीएफओ ने रश्मि मैडीकेयर सेन्टर अग्रसेन सेवा सदन कमलानगर के पास अस्पातल कर्मचारियों को अग्निशमन सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कर्मचारियों को आग की परिभाषा, आवश्यकता, प्रकार व आग बुझाने के सिद्धांत की जानकारी दी गई। आग लगने के मुख्य कारणों व बुझाने के भी सुझाव दिए गए। हास्पीटल भवन में एडमिट व्यक्तियों को सुरक्षित वाहर निकालने के सुझाव दिए गए। कर्मचारियों को भवन में लगे फायर सिस्टम सहित उपलब्ध अग्नि शामक यन्त्रों को चलाने की व बुझाते समय सावधानी वरतने के भी सुझाव दिए गए। गैस सिलेंडर पर खाना व चाय वनाते समय आग लगने के मुख्य कारणों व बुझाते समय सावधानी वरतने के भी सुझाव दिए गए। इस मौके पर उपस्थित मैनेजर रन्जीत सिंह व स्टाफ अमित चौधरी फायर इंचार्ज, ऋषि, इन्द्र कुमार, अंकित, रन्जीत, वर्षा, राधा, खुशवू, प्रेम लता, दीनानाथ व दीपक गार्ड आदि मौजूद रहे।

योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में दिखाया जलवा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डोली पब्लिक स्कूल में शनिवार को दसवीं आगरा जिला योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का उद्घाटन किया गया। फाउंडर अध्यक्ष सेवा आगरा के मुरारीलाल गोयल, ऑर्गेनाइजर प्रेसिडेंट वीरेंद्र कुमार मित्तल, मनीष मित्तल, वीपी सिंह, देवेंद्र सिंह गोयल, प्रमोद पचौरी, छत्रपाल, हरीश जैन, गणेश राम नागर, स्कूल की प्रधानाचार्य चारु पटेल, डॉली पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य निपुण सिंगल, परेश अग्रवाल, देवजीत घोष और प्रतियोगिता का संचालन रुपेश अग्रवाल ने किया। निर्णायक की भूमिका में मुकेश राय, आनंद बाबू, सनी प्रताप वर्मा, उमा सिंह, विशाल सिंह रहे। प्रतियोगिता में आगरा की कई स्कूलों की छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। 19 जुलाई को प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

विवेकानन्द यूथ अवार्ड के लिए आवेदन 22 तक

आगरा। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने अवगत कराया है कि महानिदेशक, प्रान्तीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत विवेकानन्द यूथ अवार्ड प्रदान किए जाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवक एवं युवतियां, जिन्होंने 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2025 के मध्य खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति एवं साहित्य, मानवाधिकार संरक्षण, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल, शैक्षिक उत्कृष्टता तथा स्मार्ट लर्निंग आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया है, वे इस पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयनित प्रतिभागियों को ?50,000 की नकद धनराशि, स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

जलेसर रोड स्टेशन पर 20 जुलाई से रुकेगी महानंदा एक्सप्रेस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

केंद्रीय मंत्री प्रो.एसपी सिंह बघेल ने बताया कि दिल्ली अलीपुरद्वार एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव अब जलेसर रोड स्टेशन पर होगा। यह व्यवस्था 20 जुलाई से लागू होगी। इससे यात्रियों को यात्रा में आसानी होगी। ट्रेन की नई समय सारणी जारी कर दी गई है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे मंत्रालय ने जलेसर रोड स्टेशन पर आगामी 20 जुलाई से अप व डाउन दोनों साइड से ट्रेन ठहराव की स्वीकृति दी है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दिल्ली अलीपुरद्वार एक्सप्रेस ट्रेन के अप व डाउन दोनों साइड से ट्रेन ठहराव की व्यवस्था जलेसर रोड स्टेशन पर शुरू होने से, जलेसर रोड स्टेशन के आसपास के आगरा लोकसभा क्षेत्र की एत्मादपुर एवं जलेसर विधानसभा तथा सादाबाद विधानसभा के अंतर्गत सैकड़ों गांवों की ग्रामीण जनता को सुगम यात्रा का लाभ प्राप्त होगा। इलाके के लोगों को दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक की यात्रा करने की रेल सुविधा मिलेगी। ट्रेन का ठहराव न होने से पहले आसपास के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए हाथरस व टूंडला जंक्शन पर जाना पड़ता था।

समय सारणी के अनुसार प्रतिदिन गाड़ी संख्या-15484,दिल्ली अलीपुरद्वार एक्सप्रेस/महानंदा एक्सप्रेस,यह ट्रेन दिल्ली स्टेशन से चलकर 20 जुलाई को जलेसर रोड स्टेशन पर 10:28 बजे पहुंचेगी तथा 10:30 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे द्वारा जारी आदेश की समय सारिणी में ट्रेन संख्या 15484-दिल्ली अलीपुरद्वार एक्सप्रेस का डब्ल्यूटीटी-10:38-10:40 बजे तथा पीटीटी-10:28-10:30 दशार्या गया है। वापसी समय सारिणी ट्रेन संख्या 15483 अलीपुरद्वार दिल्ली एक्सप्रेस 19 जुलाई को 4:55 बजे जलेसर रोड स्टेशन पहुंचकर 4:57 पर प्रस्थान करेगी। समय सारिणी में ट्रेन संख्या 15483-अलीपुरद्वार- दिल्ली एक्सप्रेस का डब्ल्यूटीटी-17:00-17:02 बजे तथा पीटीटी-16:55-16:57 दशार्या गया है।

खेरागढ़ संपूर्ण समाधान दिवस में 134 शिकायतें आईं

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

तहसील खेरागढ़ में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन नवागत उपजिलाधिकारी नरेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में किया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनका खेरागढ़ तहसील में पहला संपूर्ण समाधान दिवस रहा। वहीं, नवागत तहसीलदार सुरभि राय का भी यह पहला समाधान दिवस रहा। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित 134 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से मौके पर केवल राजस्व विभाग की 12 शिकायतों का ही निस्तारण हो सका। जबकि शेष शिकायतों को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। समाधान दिवस में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के द्वारा पांच सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के साथ दलेल सिंह सिकरवार, एड रमेश सिकरवार, हरी सिंह तोमर, राजेश गोस्वामी शामिल रहे' वहीं गुंगावद निवासी रमेश ने गांव के चकरोड संख्या 1074 को अतिक्रमण मुक्त कराने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं, लल्लूपुरा निवासी राजपाल सिंह ने गांव के आम रास्ते से जुड़ी ग्राम सभा की नवीन परती भूमि पर दबंगों द्वारा किए गए कथित अतिक्रमण को हटवाकर भूमि खाली कराने की मांग की।

उपजिलाधिकारी नरेंद्र गंगवार ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान तहसीलदार सुरभि राय, नायब तहसीलदार हरिशंकर दुबे सहित पुलिस, राजस्व, विकास एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हॉकी कोच केपी सिंह नहीं रहे

आगरा। उत्तर प्रदेश खेल विभाग में कार्यरत रहे पूर्व डीएसओ और हॉकी कोच केपी सिंह (बरेली) का शनिवार को निधन हो गया है। वे वर्तमान में अपने भाई धर्मेन्द्र पाल सिंह (मुन्ना भाई) आरबीएस कॉलेज, खंदारी आगरा में रहते थे। देरशाम उनका शव और परिजन बरेली से आगरा के लिए रवाना हो गए।

कौशलेंद्र पाल सिंह के निधन पर बीसीए के शंकर देव तिवारी ने कहा कि कौशलेंद्र पाल सिंह के साथ अभ्यास का और दो मैच उनके विरुद्ध खेलने का मौका 79 से 80 के बीच में खेलने का मौका मिला। जिनमें से एक मैच तो उनके होम ग्राउंड आरबीएस कालेज पर खेला और जीता। तब हमारी टीम न्यू फाइव स्टार स्पोर्ट्स क्लब घटिया आजम खां हुआ करती थी। जब अमर उजाला एटा ब्यूरो चीफ बने तो वे वहाँ डीएसओ थे। वे बड़े अच्छे वाले मित्र थे हमारे। आज वो नहीं रहे। मन बहुत दुखी है।

सम्पादकीय

मानवीय गरिमा और न्याय का एक संवेदनशील संतुलन

केरल हाईकोर्ट द्वारा रेप की शिकार 14 वर्षीय नाबालिग को 28 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति देना, एक बेहद संवेदनशील और साहसिक निर्णय है? यह फैसला उस जटिल कानूनी और सामाजिक बहस को फिर से जिंदा करता है, जहाँ एक ओर अजन्मे बच्चे का जीवन होता है, और दूसरी ओर एक नाबालिग बच्ची का शारीरिक, मानसिक और भविष्य का जीवन?भारतीय न्याय व्यवस्था में भ्रूण के अधिकारों और महिलाओं के प्रजनन अधिकारों के बीच अक्सर टकराव की स्थिति देखने को मिलती है। सामान्य परिस्थितियों में 28 सप्ताह का गर्भ काफी बड़ा माना जाता है, लेकिन अदालत ने यहाँ 'मानवीय संवेदना' को सर्वोपरि रखा। न्यायमूर्ति हरिशंकर वी. मेनन की यह टिप्पणी बहुत सटीक है कि रेप की शिकार किशोरी को उस अपराधी का बच्चा पैदा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह उसकी सहमति का उल्लंघन होगा?यह फैसला कई मायनों में ऐतिहासिक और प्रगतिशील है:मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता: अदालत ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ लड़की की मानसिक पीड़ा और भविष्य को आधार बनाया, जो कि एक दूरदर्शी कदम है?राज्य की जिम्मेदारी: यदि प्रक्रिया के बाद बच्चा जीवित रहता है, तो राज्य द्वारा उसकी मानक देखभाल सुनिश्चित करना सरकार की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को तय करता है? एक तरफ गर्भपात की अनुमति देना और दूसरी तरफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग के लिए भ्रूण के ऊतकों व रक्त के नमूने सुरक्षित रखने का निर्देश देना, यह सुनिश्चित करता है कि अपराधियों को सजा दिलाने में कोई कानूनी कमी न रहे?हालांकि, इस तरह के मामले हमारी न्याय प्रणाली और चिकित्सा जगत के लिए एक बड़ी चुनौती भी हैं। 28 सप्ताह तक की गर्भावस्था का देर से पता चलना, हमारी सामाजिक जागरूकता और शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है।यह निर्णय संदेश देता है कि कानून का उद्देश्य केवल नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि पीड़ितों को राहत देना भी है। अदालत का यह रुख स्वागत योग्य है, लेकिन इसके साथ ही समाज, परिवार और स्कूलों को भी आगे आना होगा ताकि नाबालिग बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों का समय पर पता चल सके और उन्हें त्वरित न्याय मिल सके।

मंदिरों में भ्रष्टाचार

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा। भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

उच्च शिक्षा प्रवेश: एक राष्ट्र, एक कैलेंडर

> "यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों के दुरुपयोग का भी विषय है। किसी भी विश्वविद्यालय की रिक्त सीट केवल एक खाली स्थान नहीं होती, बल्कि उस पर होने वाला सार्वजनिक निवेश, शिक्षकों की उपलब्धता, प्रयोगशालाओं का उपयोग तथा शैक्षणिक संसाधनों की क्षमता भी प्रभावित होती है। यदि देश में प्रत्येक वर्ष हजारों सीटें रिक्त रह जाती हैं, तो इसका सीधा अर्थ है कि उच्च शिक्षा व्यवस्था अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य नहीं कर रही है।

भारत में उच्च शिक्षा प्रवेश प्रक्रिया आज भी असमान, असमन्वित और विद्यार्थी-केंद्रित होने के बजाय संस्थान-केंद्रित दिखाई देती है। प्रत्येक वर्ष लाखों विद्यार्थी स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं, किन्तु विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा अलग-अलग समय-सारिणी अपनाए जाने के कारण उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सबसे गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है जब अनेक राज्य विश्वविद्यालय अपने प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं, विशेषकर नीट (ठएएळ), सीयूईटी (उवएळ) अथवा अन्य प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने से पहले ही समाप्त कर देते हैं। दूसरी ओर, कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रवेश पोर्टल परिणाम घोषित होने के बाद प्रारम्भ होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी भविष्य की अनिश्चितता के कारण कई स्थानों पर आवेदन करने के लिए विवश हो जाते हैं, जिससे समय, धन और ऊर्जा तीनों की हानि होती है। अंततः अनेक विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह जाती हैं, जबकि हजारों योग्य अभ्यर्थी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं।

यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों के दुरुपयोग का भी विषय है। किसी भी विश्वविद्यालय की रिक्त सीट केवल एक खाली स्थान नहीं होती, बल्कि उस पर होने वाला सार्वजनिक निवेश, शिक्षकों की उपलब्धता, प्रयोगशालाओं का उपयोग तथा शैक्षणिक संसाधनों की क्षमता भी प्रभावित होती है। यदि देश में प्रत्येक वर्ष हजारों सीटें रिक्त रह जाती हैं, तो इसका सीधा अर्थ है कि उच्च शिक्षा व्यवस्था अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य नहीं कर रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा में लचीलापन, समान अवसर, पारदर्शिता तथा तकनीक आधारित व्यवस्था की परिकल्पना की है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब देश में स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश के लिए एक समान राष्ट्रीय प्रवेश कैलेंडर लागू किया जाए। यह कैलेंडर केंद्र, राज्य, निजी तथा डीम्ड विश्वविद्यालयों पर समान रूप से लागू हो तथा सभी नियामक संस्थाओं द्वारा इसका पालन सुनिश्चित कराया जाए।

आदर्श व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक वर्ष अप्रैल के प्रथम सप्ताह में सभी विश्वविद्यालय अपनी सीटों, पाठ्यक्रमों, पात्रता, आरक्षण नीति तथा प्रवेश नियमावली की घोषणा कर दें। अप्रैल के मध्य से मई के अंत तक सभी विश्वविद्यालयों के ऑनलाइन आवेदन पोर्टल खुले रहें। किसी भी स्थिति में आवेदन की अंतिम तिथि राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने से पहले समाप्त नहीं होनी चाहिए। यदि परिणाम विलंब से आते हैं तो आवेदन स्वतः बढ़ा दिए जाएँ अथवा विद्यार्थियों को अपने प्राप्तांक एवं रैंक अद्यतन करने का अवसर दिया जाए।

राष्ट्रीय परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के एक सप्ताह के भीतर सभी विश्वविद्यालय आवेदन संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराएँ। इसके बाद दस से पंद्रह दिनों के भीतर प्रथम मेरिट सूची जारी की जाए तथा प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो। प्रत्येक चरण के बाद रिक्त सीटों का वास्तविक विवरण सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाए और अगले चरण में वही सीटें स्वतः भर दी जाएँ। द्वितीय तथा तृतीय चरण के उपरांत अपग्रेडेशन की व्यवस्था हो, जिससे विद्यार्थी बेहतर विकल्प मिलने पर बिना आर्थिक नुकसान के स्थानांतरित हो सकें। अगस्त के मध्य तक नियमित प्रवेश पूर्ण कर दिए जाएँ तथा अगस्त के अंतिम सप्ताह तक विशेष स्पॉट अथवा स्ट्रे वैकेंसी राउंड आयोजित किया जाए। देशभर में एक सितंबर से नियमित कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाएँ।

वर्तमान व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह है कि अनेक संस्थान प्रवेश शुल्क जमा करने के लिए अत्यंत कम समय देते हैं। कई बार विद्यार्थी को केवल 30 मिनट अथवा कुछ घंटों के भीतर भारी शुल्क जमा करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तथा दूरस्थ स्थानों के विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था अत्यंत अन्यायपूर्ण है। न्यूनतम 48 घंटे का समय प्रत्येक विद्यार्थी को दिया जाना चाहिए, जिससे वह शांतिपूर्वक निर्णय लेकर आवश्यक वित्तीय व्यवस्था कर सके।

देश में एकीकृत राष्ट्रीय प्रवेश पोर्टल विकसित करना समय की आवश्यकता है। जिस प्रकार तकनीकी संस्थानों में केंद्रीकृत काउंसिलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, उसी प्रकार सामान्य विश्वविद्यालयों में भी एकल पंजीकरण, बहुविकल्पीय संस्थान चयन, वास्तविक समय में सीट उपलब्धता तथा स्वचालित सीट अपग्रेडेशन की व्यवस्था लागू की जा सकती है। इससे विद्यार्थियों को बार-बार आवेदन शुल्क नहीं देना पड़ेगा और विश्वविद्यालयों को भी पारदर्शी तथा त्वरित प्रवेश प्रक्रिया प्राप्त होगी।

प्रत्येक विश्वविद्यालय को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान रिक्त सीटों की जानकारी प्रतिदिन सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध रहे। यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित समय में प्रवेश नहीं लेता है तो उसकी सीट स्वतः प्रतीक्षा सूची के अगले अभ्यर्थी को आवंटित हो जाए। इससे प्रवेश प्रक्रिया तेज होगी और अधिकांश सीटें अंतिम चरण तक भर जाएँगी।

भारत जैसे विशाल देश में उच्च शिक्षा केवल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने से सुदृढ़ नहीं होगी, बल्कि सुविचारित, समन्वित और विद्यार्थी-केंद्रित प्रवेश प्रणाली से ही मजबूत बनेगी। एक राष्ट्र, एक प्रवेश कैलेंडर की व्यवस्था विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करेगी, विश्वविद्यालयों की कार्यक्षमता बढ़ाएगी, शैक्षणिक सत्र समय पर प्रारम्भ होंगे, अनावश्यक आर्थिक बोझ कम होगा तथा सार्वजनिक संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, राज्य सरकारें तथा सभी विश्वविद्यालय मिलकर ऐसी एकीकृत प्रवेश प्रणाली विकसित करें, जिसमें किसी भी विद्यार्थी का भविष्य केवल असंगठित समय-सारिणी के कारण प्रभावित न हो और देश की एक भी उच्च शिक्षा सीट रिक्त न रहने पाए। यही एक विकसित, समावेशी और विद्यार्थी-हितैषी भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था की पहचान होगी।

-प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम
[आध्यात्मिक शिक्षक एवं चिंतक]

पौराणिक कहानियां क्यों लुभाती हैं? क्या है मिथकों का मिथक?

सिनेमा हॉल में सन्नाटा पसरा है। विशाल पर्दे पर देवता और असुर आमने-सामने खड़े हैं। तलवारें चमकती हैं, शंख गूंजते हैं, आकाश में दिव्य अस्त्र बरसते हैं। जैसे ही धर्म की जीत होती है और राक्षस धराशायी होता है, पूरा हॉल तालियों और जयघोष से गूंज उठता है। कई दर्शकों की आंखें नम हैं। यह केवल एक फिल्म का अंत नहीं, बल्कि भीतर दबे डर, उम्मीद और न्याय की चाह का विस्फोट है। सदियों से इंसान ऐसी ही कहानियों में अपने मन का बोझ हल्का करता आया है।

फिल्म खत्म होती है, लेकिन कहानी नहीं। वही दर्शक घर लौटकर अपने बच्चों को भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार, राम की विजय या कृष्ण की लीलाएं सुनाते हैं। कर्नाटक के एक छोटे-से गांव में बरगद के नीचे बैठा एक बूढ़ा किस्सागो भी यही कर रहा है। वह राजा मनु और महाप्रलय की कथा सुनाता है। यही कहानी बाइबिल के नूह और मेसोपोटामिया के उत्नापिष्टिम की दास्तानों में भी सुनाई देती है। हजारों साल और हजारों किलोमीटर का फासला मिट जाता है। कहानी वही रहती है, सिर्फ. किरदार बदल जाते हैं.

इंसान हमेशा से कहानियों का दीवाना रहा है। यही किस्से दुनिया के अलग-अलग मुल्कों और सदियों को एक धागे में पिरो देते हैं।

पौराणिक कथाएँ सिर्फ. देवताओं, राक्षसों और चमत्कारों की पुरानी दास्तानें नहीं हैं। ये ज़िंदगी और मौत, नेकी और बुराई, उम्मीद और रहस्य को समझने का जरिया हैं। जब विज्ञान के पास जवाब नहीं थे, तब मिथकों ने इंसान को मायने दिए। हर सभ्यता ने ऐसे सवालों का जवाब खोजने के लिए अपनी कथाएँ गढ़ीं : हम यहाँ क्यों हैं? मौत के बाद क्या होता है? हमें कैसी ज़िंदगी जीनी चाहिए?

मिथक किसी भी समाज की सोच, आस्था और तहजीब की बुनियाद होते हैं। सदियों तक ये कहानियाँ आग के अलाव के पास बैठकर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सुनाई जाती रहीं। बाद में इन्हें लिखा गया। इनमें कल्पना और प्रतीक जरूर हैं, लेकिन इनके भीतर इंसानी फि तरत और समाज की गहरी सच्चाइयाँ छिपी हैं। इनका असर धर्मों पर भी साफ दिखाई देता है।

मनोवैज्ञानिक कार्ल युंग का मानना था कि मिथक इंसान के "सामूहिक अवचेतन" से जन्म लेते हैं। यानी कुछ भावनाएँ और प्रतीक ऐसे हैं जो पूरी इंसानियत में साझा हैं। इसलिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की कहानियाँ एक जैसी लगती हैं। जनचिंतक पारस नाथ झा कहते हैं कि मिथक हमें केवल कल्पना नहीं, बल्कि इंसानी अनुभव का आईना दिखाई देते हैं।

मिथकों का एक बड़ा मकसद इंसान को सही रास्ता दिखाना भी है। देवताओं और नायकों की कहानियाँ साहस, ईमानदारी, दया और त्याग की सीख देती हैं। वहीं लालच, घमंड और जलन जैसी बुराइयों से आगाह करती हैं। स्वर्ग, नरक और परलोक की कथाएँ लोगों को नेक और मकसद भरी ज़िंदगी जीने की प्रेरणा देती हैं।

हैरानी की बात यह है कि दुनिया की दूर-

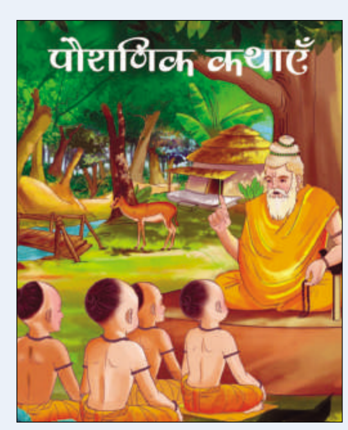

दराज सभ्यताओं में भी कई मिथक लगभग एक जैसे हैं, जबकि उनका आपस में कोई सीधा संपर्क नहीं था। महाप्रलय की कहानी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हिंदू धर्म में विष्णु मनु को बचाते हैं, बाइबिल में नूह अपनी नाव से जीवन बचाते हैं और मेसोपोटामिया में उत्नापिष्टिम यही भूमिका निभाते हैं। ऐसी कथाएँ यूनान, चीन, ऑस्ट्रेलिया के आदिवासियों और माया सभ्यता में भी मिलती हैं। शायद ये किसी प्राचीन प्राकृतिक आपदा की याद हैं या फिर पानी के प्रति इंसान के साझा डर और सम्मान की अभिव्यक्ति।

एक और साझा विषय है; अराजकता से सृष्टि का जन्म। मिस्र की कथाओं में आदिकालीन जल से सूर्य देव प्रकट होते हैं। बेबीलोन की कथा में एक देवी के शरीर से धरती बनती है। यूनानी और हिंदू परंपराएँ भी बताती हैं कि व्यवस्था अव्यवस्था से पैदा हुई। यह यात्रा इंसान के भ्रम से समझ तक पहुँचने की कहानी भी है।

मिथकों के देवता अक्सर इंसानी समाज का ही प्रतिबिंब होते हैं। जैसे समाज में राजा, योद्धा और मेहनतकश होते हैं, वैसे ही देवताओं की भी अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ होती हैं। यूनानी कथाओं में ज्यूस आकाश के, पोसाइडन समुद्र के और हेडीज पाताल के स्वामी हैं। हिंदू परंपरा में इंद्र वर्षा के देवता हैं, अग्नि अग्नि के और विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता। इन कथाओं ने प्राचीन समाज को व्यवस्था, सत्ता और ज़िम्मेदारी समझने में मदद की।

अधिकांश मिथकों में एक संघर्ष हमेशा दिखाई देता है: व्यवस्था और अराजकता का। देवता और असुर, रोशनी और अंधेरा, नेकी और बुराई आमने-सामने खड़े होते हैं। यह केवल रोमांच नहीं, बल्कि इंसान के भीतर और समाज में चलने वाली जद्दोजहद का प्रतीक है।

आज हम पहले जैसी नई पौराणिक कथाएँ नहीं गढ़ते। लेकिन सुपरहीरो फि ल्में, स्टार वॉर्स, अंतरिक्ष यात्राओं की कहानियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दास्तानें उसी परंपरा का नया रूप हैं। विज्ञान ने बिजली, बादल और बाढ़ के रहस्यों को समझा दिया है, लेकिन इंसान की कल्पना और अर्थ की तलाश अब भी ज़िंदा है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने साझा किस्सों की जगह अलग-अलग डिजिटल दुनिया बना दी है।

पौराणिक फि ल्में आज इस आकर्षण की सबसे बड़ी मिसाल बन गई हैं। रामायण, महाभारत और यूनानी कथाओं पर बनी फि ल्में दुनिया भर में करोड़ों दर्शकों को खींचती हैं। इनके विशाल दृश्य, असाधारण नायक और कर्तव्य, त्याग तथा नियति जैसे विषय लोगों को आज भी बाँध लेते हैं।

जेम्स कैमरून की अवतार इसका बेहतरीन उदाहरण है। पेंडोरा की चमकती दुनिया, अद्भुत जीव-जंतु और प्रकृति से गहरा आध्यात्मिक रिश्ता दर्शकों को एक नई, लेकिन बेहद परिचित दुनिया में ले जाते हैं। यह फि ल्म बताती है कि इंसान आज भी प्रकृति और ब्रह्मांड के साथ अपना रिश्ता तलाशना चाहता है।

विज्ञान के इस दौर में भी इंसान केवल तथ्यों से संतुष्ट नहीं होता। उसे ज़िंदगी का मतलब चाहिए। जलवायु संकट, तेजी से बदलती तकनीक और अनिश्चित भविष्य के बीच हम प्रेरणादायक अंतरिक्ष यात्रियों, सच बोलने वाले नायकों और धरती को जीवित माँ मानने वाली कहानियों की ओर लौटते हैं। इन्हीं में हमें उम्मीद और मकसद मिलता है।

बरगद के नीचे बैठा वह बूढ़ा किस्सागो शायद यह बात बिना किसी किताब के समझता है। उसकी सुनाई महाप्रलय की कहानी आज के बच्चों को हजारों साल पुराने अपने पुरखों से जोड़ देती है। विज्ञान हमें बताता है कि दुनिया कैसे चलती है, लेकिन कहानियाँ हमें समझाती हैं कि यह दुनिया हमारे लिए क्यों मायने रखती है। जब तक इंसान रहेगा, मिथक भी रहेंगे। क्योंकि कहानी कहना और सुनना हमारी फि तरत का हिस्सा है।

-बृज खंडेलवाल द्वारा

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 20 जुलाई 2027 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन साक्षात देवों के देव महादेव भगवान शिव की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिव शंभु को तांबे या कांस्य के पात्र से जल में गंगाजल और सफेद चंदन मिलाकर अर्घ्य देना तथा शिव चालीसा का वाचन करना जीवन में असीम मानसिक शांति आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान शिव को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शिव पंचाक्षर मंत्र का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता गौरी को सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर सफेद चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी शिवालय में जल का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। शिव कवच का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। भोलेनाथ को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। गाय को हरी घास या भोजन खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी शिव मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर के मुख्य हॉल में उत्तर की दिशा में साफ जल से भरा हुआ पीतल या तांबे का कलश स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात महादेव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सम्पूर्ण समाधान दिवस सुनीं शिकायतें

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने तहसील गोवर्धन के सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतों को एक-एक कर सुनते हुए जिलाधिकारी ने शिकायत से सम्बंधित विभागीय अधिकारी को मौके पर बुलाकर तत्काल निस्तारित करने अथवा भूमि विवाद/अन्य किसी विवाद की स्थिति में शिकायतकर्ता सहित सभी पक्षों की उपस्थिति में मौके का स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर जन समस्याएं सुने। उक्त कार्य में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। गोवर्धन तहसील समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। जिलाधिकारी ने प्राप्त प्रार्थना-पत्रों के नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस/ तहसील दिवस में कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है। कोई भी फरियादी तहसील दिवस या किसी भी कार्यालय से निराश होकर नहीं जाना चाहिए।। उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने बताया है कि गोवर्धन तहसील में 45 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया है। उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील महावन में 41 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार ने अवगत कराया है कि सदर तहसील में 34 शिकायतें प्राप्त हुई है, जिसमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी छाता अखिलेश कुमार ने अवगत कराया कि छाता तहसील में 42 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण हुआ। उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप ने अवगत कराया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर 47 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 07 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

डीआइजी, डीएम, एसएसपी वृंदावन में आज एक-एक किमी करेंगे स्वच्छता

ब्रज को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेकर प्रशासन ने की तैयारी, पूरे परिक्रमा मार्ग को 11 भागों में बांटा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि महाप्रभु की लाड़ली भूमि, श्री राधा-कृष्ण की क्रीड़ा स्थली, भक्तों और पूज्य संतों के हृदय में बसने वाले श्री वृन्दावन धाम का परिक्रमा मार्ग केवल एक रास्ता नहीं है, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का साक्षात स्वरूप है। ऐसे पावन मार्ग की पवित्रता, स्वच्छता और सुंदरता को बनाए रखना हम सभी ब्रजवासियों और श्रद्धालुओं का परम कर्तव्य है। आइए, हम सब मिलकर ठाकुर श्री बांके बिहारी जी के चरणों में अपनी सेवा अर्पित करें और स्वच्छ, सुंदर और पवित्र वृन्दावन के संकल्प को सिद्ध करें।

श्री वृन्दावन परिक्रमा मार्ग लगभग 11 (एकादश) किमी लंबा है, तथा लाखों श्रद्धालु एवं साधु-संतों द्वारा प्रतिदिन परिक्रमा की जाती है। ऐसे पावन मार्ग की सेवा कर हमें भी संत-महात्माओं के चरणरज का पुण्य लाभ प्राप्त होता है। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी का सामूहिक प्रयास है

समस्त अधिकारी अपनी-अपनी टीम के साथ जुटेंगे सुबह से अभियान में

कि यह संपूर्ण परिक्रमा मार्ग सदैव स्वच्छ, सुंदर, सुविधाजनक एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बना रहे एवं परिक्रमार्थियों को परम सुख श्रद्धा की अनुभूति हो तथा परिक्रमा आनंद के साथ संपन्न करने का अवसर प्राप्त हो।

इसी पावन संकल्प के साथ परिक्रमा मार्ग को प्रतीकात्मक रूप से 11 (एकादश) भाग में विभाजित कर प्रत्येक 1 किमी की स्वच्छता, सौ वर्गीकरण हेतु स्वैच्छिक रूप से वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा गया है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार मौर्य द्वारा अटल्ला चुंगी से साक्षी आश्रम तक, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ- पंकज कुमार वर्मा द्वारा साक्षी आश्रम से धानुका आश्रम तक, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय जी द्वारा धानुका आश्रम से इस्कॉन गौशाला तक, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा इस्कॉन गौशाला से जादौन पार्किंग तक, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह द्वारा जादौन पार्किंग से गंगा मोहन कचहरी तक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा गंगा मोहन कचहरी से केसी घाट तक, मंडलायुक्त श्री नगेन्द्र प्रताप द्वारा केशी घाट से जगन्नाथ घाट तक, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र जी द्वारा जगन्नाथ घाट से उमाशक्ति पीठ तक, क्षेत्राधिकारी सदर वरुण मिश्रा द्वारा उमाशक्ति पीठ से जानकी गार्डन तक, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन राजकुमार चौधरी द्वारा जानकी गार्डन से कैलादेवी तक तथा एसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी कैलादेवी से अटल्ला चुंगी तक विशेष सफाई की जाएगी।

श्रीधाम वृन्दावन परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ, सुंदर एवं श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुविधाजनक बनाए रखने के संकल्प के अंतर्गत दिनांक 19 जुलाई 2026 (रविवार) को प्रातः आठ बजे से 11 बजे तक वृन्दावन परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

नगर निगम के हाईटेक कार्यालय रहेंगे सीसीटीवी की नजर में

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने तीनों मंजिलों का किया बारीकी से निरीक्षण

सभी जोनल कार्यालय भी होंगे अत्याधुनिक सीसीटीवी प्रणाली से लैस

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

स्मार्ट सिटी की अवधारणा को साकार करने और जनसुविधाओं के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने एक बड़ा कदम उठाया है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने नगर निगम के भूतेश्वर मुख्यालय का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिसर को अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरा प्रणाली से सुसज्जित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। वर्तमान में भूलेश्वर मुख्यालय के केवल कुछ चुनिंदा स्थानों पर ही सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं, जिसके चलते पूरे परिसर की प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही थी। इसी कमी को दूर करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त ने मुख्यालय को पूर्ण रूप से सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मुख्यालय की तीनों मंजिलों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से उन संवेदनशील कार्यालयों और पटलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों का आवागमन होता है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि भूतेश्वर मुख्यालय का कोई भी महत्वपूर्ण हिस्सा सीसीटीवी की नजर से अछूता न रहे ।

कक्षा दो के छात्र की मौत के मामले में बस चालक व स्कूल प्रबंधन पर एफआईआर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

थाना जैंत क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम राल स्थित तिलक सिंह इंटर कॉलेज में बस हादसे के दौरान छात्र नितिन की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कानूनी कार्रवाई की है। हादसे के बाद से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों की मांग पर पुलिस ने बस चालक, स्कूल की प्रधानाचार्या और स्कूल मालिकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

बरसाना क्षेत्र के ग्राम पेलखू निवासी पीड़ित पिता गंगदेव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका छह वर्षीय पुत्र नितिन

स्कूल बस (संख्या यूपी 85 डीटी 1480) से विद्यालय गया था

गुरुवार सुबह स्कूल बस (संख्या यूपी 85 डीटी 1480) से विद्यालय गया था।

सुबह करीब 8 बजे जब बस स्कूल परिसर के गेट पर पहुंची और बच्चे उतर रहे थे, तभी चालक विष्णु ने घोर लापरवाही बरतते हुए अचानक गाड़ी को तेजी से आगे बढ़ा दिया। इसके चलते बस का पिछला पहिया नितिन के सिर को कुचलता हुआ निकल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पीड़ित का आरोप है कि इस भीषण हादसे के बाद भी स्कूल प्रशासन का रवैया बेहद अमानवीय रहा। स्कूल की प्रधानाचार्या रेनू, स्कूल मालिक कृष्ण गोपाल व हेमन्त और अन्य स्टाफ ने बच्चे को बचाने या अस्पताल पहुंचाने का कोई प्रयास नहीं किया। घटना के तुरंत बाद वे परिजनों को सूचित किए बिना ही स्कूल में ताला लगाकर मौके से फरार हो गए। जैंत थाना पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर बस चालक व स्कूल प्रबंधन के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और विवेचना उपनिरीक्षक संदीप राणा को सौंपी गई है।

वृंदावन में रह रहे व्यक्ति का शव बरामद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

तीर्थनगरी वृंदावन में पिछले 15 वर्षों से रह रहे एक 42 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु का मामला सामने आया है। जैत थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगला कीकी गांव के समीप उक्त व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में प्राप्त हुआ। मृतक की पहचान सुनील कुमार त्रिपाठी (उम्र लगभग 42 वर्ष) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से जबलपुर (मध्य प्रदेश) के रहने वाले थे और काफी समय से वृंदावन में निवास कर रहे थे। बीते 16 जुलाई को नगला कीकी के समीप उनका शव बरामद हुआ था। मृतक के पिता विमलेश कुमार त्रिपाठी जबलपुर से मथुरा पहुंचे। पुलिस की टीमें क्षेत्र में पूछताछ कर रही हैं और साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि घटनाक्रम का स्पष्ट पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

मथुरा कंप्यूटर ओलंपियाड 23 अगस्त को

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 23 अगस्त 2026 (रविवार) को रतन लाल फूल कटोरी बालिका विद्यालय, मथुरा में मथुरा कंप्यूटर ओलम्पियाड 2026 का आयोजन करने जा रहा है। यह प्रतियोगिता सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड की कक्षा 10, 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में कंप्यूटर शिक्षा, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता तथा तार्किक क्षमता के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनकी तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। आयोजकों के अनुसार, मथुरा जनपद में पहली बार किसी कंप्यूटर प्रतियोगिता का आयोजन पूर्णतरू मोबाइल आधारित ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं मथुरा के प्रसिद्ध उद्योगपति पवन चतुर्वेदी ने कहा कि मथुरा कंप्यूटर ओलंपियाड विद्यार्थियों को नई तकनीकों से जोडने, उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाने तथा उन्हें भविष्य की प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार करने का एक सार्थक प्रयास है। कंप्यूटर ओलंपियाड की तकनीकी प्रमुख, केडटी कंप्यूटर सेंटर की निदेशिका इंजीनियर कल्पना गर्ग ने बताया कि प्रतियोगिता की संपूर्ण तकनीकी व्यवस्था आधुनिक, सुरक्षित एवं पारदर्शी ऑनलाइन प्रणाली पर आधारित होगी।

तीन महीने से म्यूटेशन फाइल दबाने पर क्लर्क का वेतन रोका

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर निगम में जनहित के कार्यों में लापरवाही और टालमटोल का रवैया अपनाने वाले कर्मचारियों पर नगर आयुक्त ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शनिवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक नागरिक की शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने गंभीर लापरवाही बरतने वाली कार्यवाहक लिपिक (क्लर्क) श्रीमती प्रेम चौधरी का वेतन रोकने के निर्देश देते हुए तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। जनसुनवाई के दौरान पीड़ित आवेदक अभिषेक कुमार (पुत्र स्व. मोहन कुमार शर्मा) ने नगर आयुक्त के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि अपने स्वर्गीय पिता के नाम दर्ज मकान का नामांतरण (म्यूटेशन) कराने के लिए उन्होंने नियमानुसार सभी आवश्यक दस्तावेज जमा कर दिए थे। इसके बावजूद पिछले तीन महीनों से उनकी फाइल को गुमराह कर लंबित रखा गया और उन्हें दोबारा आवेदन करने के लिए कहा गया। तीन महीने बीत जाने के बाद भी फाइल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित कार्यवाहक लिपिक श्रीमती प्रेम चौधरी को तुरंत अपने कार्यालय में तलब किया। जब उनसे इस फाइल के पेंडिंग होने का कारण पूछा गया तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकीं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने यह भी बताने से इनकार कर दिया कि मूल आवेदन पत्र इस वक्त किस स्तर पर लंबित है। जनसुनवाई में दिखाई गई इस घोर लापरवाही और उदासीनता पर नगर आयुक्त ने सख्त नाराजगी व्यक्त की।

वर्जन

जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा लापरवाही, अनावश्यक देरी या नागरिकों को परेशान करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में कठोर विभागीय कार्रवाई तय है, ताकि आम जनता को समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं मिल सकें।

-ओजस्वी राज, नगर आयुक्त

मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर जिलाधिकारी और एसएसपी ने किया परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर मथुरा जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। शनिवार को जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और श्रद्धालुओं के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने परिक्रमा मार्ग और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था, रूट डायवर्जन, भीड़ नियंत्रण और जनसुविधाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परिक्रमा मार्ग पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और स्वास्थ्य शिविरों जैसी मूलभूत सुविधाएं समय से पहले दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रमुख चौराहों, घाटों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था और पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैफिक प्लान ऐसा बनाया जाए, जिससे स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने साफ कहा कि मेले की व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ड्यूटी में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन में अब केवल चलेंगे 2700 ई-रिक्शा

मथुरा। वृंदावन नगर निगम कार्यालय में शनिवार को यातायात पुलिस, नगर निगम और सिविल सोसाइटी की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई। बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने, रूट निर्धारण और पार्किंग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि स्थानीय निवासियों को जाम से मुक्ति दिलाने और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

शहर में केवल 2700 पंजीकृत ई-रिक्शा ही चलाने की अनुमति दी गई है। सभी रूटों पर ई-रिक्शा की संख्या तय कर दी गई है। अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शों के खिलाफ लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है। पूर्व की बैठकों में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करते हुए शेष बचे कार्यों को भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

छाता क्षेत्र में विद्युत विजलेंस के छापे से मचा हडकंप

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

बिजली चोरी रोकने को लेकर विद्युत प्रवर्तन दल ने होटल, ढाबा, आरओ प्लांट, आटा चक्की एवं घरेलू कनेक्शन में चोरी पकड़ी। विद्युत थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। छाता के दौताना गांव में बिना कनेक्शन के आरओ प्लांट चलते पकड़ा। केबल में कट लगाकर घरेलू कनेक्शन में चोरी पकड़ी। लोड करीब 14 किलोवाट मिला। बरसाना के सहार मैन रोड पर आटा चक्की में चोरी पकड़ी। अतिरिक्त केबल डालकर चोरी की जा रही थी। इसके अलावा ढाबा, आटा चक्की एवं होटल में भी बिजली चोरी पकड़ी। कोसी के फूल गढ़ी में बिना संयोजन के दो खेतों में मोटर चलते पकड़ी। 10-10 एचपी की मोटर लगी थी। टीम ने विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, एसडीओ बरसाना राहुल चौरसिया, जेई किशन कुमार, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह, कपिल, जागेश्वर आरक्षी अंकुर के अलावा जेई सूर्य प्रकाश वर्मा आदि अभियंता एवं कर्मचारी मौजूद थे। टीम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

छाता समाधान दिवस में 70 शिकायतें दर्ज, 6 का मौके पर निस्तारण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नवागत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अखिलेश कुमार ने पहली बार जनशिकायतों की सुनवाई की। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनता से पहली बार रू-ब-रू हुए एसडीएम अखिलेश कुमार ने स्पष्ट कहा कि तहसील स्तर पर प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही तहसील क्षेत्र के विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। समय पर कार्यालय न पहुंचने वाले अथवा कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खनन माफिया, कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाते हुए एसडीएम ने कहा कि छाता देश के प्रमुख राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित महत्वपूर्ण कस्बा है, इसलिए यहां की यातायात व्यवस्था और नगर की सुंदरता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सार्वजनिक भूमि और सड़कों पर अवैध अतिक्रमण करने वालों को स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी देते हुए कहा कि प्रशासन जल्द ही व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाएगा।

समाधान दिवस के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि फाल्गुन उर्फ कान्हा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छाता कस्बे के लोग बिजली की समस्या को लेकर पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि लंबे समय से विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से आमजन परेशान हैं। फाल्गुन उर्फ कान्हा ने चेतावनी दी कि यदि विद्युत व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो जनता स्वयं आंदोलन करने को मजबूर होगी। उन्होंने कुछ स्थानीय लाइनमैनों पर जनता से अवैध वसूली करने का भी आरोप लगाया और कहा कि यदि मंगलवार तक व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो तहसील परिसर में धरना देकर रात्रि विश्राम किया जाएगा।

समाधान दिवस में तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी (सीओ) भूषण वर्मा, नायब तहसीलदार अनमोल गर्ग, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) छाता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहपुर में धान की रोपाई के दौरान दो पक्ष भिड़े

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मगोर्रा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में शुक्रवार रात करीब 10 बजे धान की रोपाई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक ने तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली लगने से मां और बेटा घायल हो गए। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, खेत में धान की पौध लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और एक नामजद युवक ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली महेश सिंह की पत्नी सरोज देवी और उनके बेटे गोपाल सिंह को लगी, जिससे दोनों घायल हो गएफायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, इसलिए पुलिस एहतियात के तौर पर निगरानी बनाए हुए है। क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह ने बताया कि धान की रोपाई को लेकर हुए विवाद में एक नामजद युवक ने तमंचे से फायरिंग की थी। इसमें सरोज देवी और उनके बेटे गोपाल सिंह घायल हुए हैं। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है।

करहल में समाजवादी छात्र सभा का जबरदस्त प्रदर्शन, पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम व सीओ को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, करहल।

समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं ने शनिवार को करहल में छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्र सभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने घिरोर चौराहे से पैदल मार्च निकालते हुए करहल तहसील मुख्यालय तक पहुंचकर अपनी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। इसके बाद करहल एसडीएम एवं क्षेत्राधिकारी को राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान छात्र सभा के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश में छात्रों के साथ लगातार अन्याय एवं शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है, जिससे छात्रों में भारी आक्रोश है। कार्यकताओं ने सरकार से इस गंभीर समस्या पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन में छात्र सभा ने मांग की कि सोनम बांगचुंग से सरकार तत्काल वार्ता कर उनकी मांगों को स्वीकार करते हुए उनका अनशन समाप्त कराए। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी उठाई गई।

छात्र सभा ने पेपर लीक मामलों में संलिप्त सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने, पेपर लीक में शामिल एजेंसियों का पंजीकरण तत्काल निरस्त कर उन्हें भविष्य के लिए प्रतिबंधित किए जाने की भी मांग की। इसके अलावा जिन परिवारों के सदस्यों की ऐसे मामलों में मृत्यु हुई है, उनके परिजनों को सरकारी नौकरी देकर उनका भविष्य सुरक्षित किए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

प्रदर्शन के दौरान छात्र सभा के कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद एसडीएम एवं सीओ ने मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर हरीश यादव, शशांक चतुर्वेदी, गौरब यादव, अंकुश यादव, कौशल यादव, दीक्षा, निधी, खुशी, खुशबू, निशांत यादव, निशी यादव समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

बैंक ऑफ इंडिया ने विकास खंड जागीर में किसान माह के अंतर्गत आयोजित किया केसीसी शिविर, किसानों को रू. 10 करोड़ के कृषि ऋण का वितरण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसान माह के अंतर्गत विकास खंड जागीर में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को कृषि ऋण एवं बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना तथा उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड योजना का अधिकाधिक लाभ उपलब्ध कराना था, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक सुभाषचन्द्र मिश्रा ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया किसानों की समृद्धि एवं कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, उन्होंने किसानों से बैंक की विभिन्न कृषि एवं वित्तीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि समय पर उपलब्ध कृषि ऋण किसानों की उत्पादकता बढ़ाने तथा उनकी आय में वृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम है। आंचलिक प्रबंधक सुनीत कुमार अग्रवाल ने बैंक द्वारा संचालित कृषि ऋण योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि अवसंरचना कोष (ए्थ्) स्वयं सहायता समूह एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (च्डथ्ड्म) तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देते हुए किसानों को बैंकिंग सुविधाओं का व्यापक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, अपर कृषि अधिकारी गौरव शाक्य ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, अग्रणी जिला प्रबंधक रामचन्द्र साहा ने वित्तीय समावेशन एवं कृषि क्षेत्र में संस्थागत ऋण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

शिविर के दौरान बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 330 कृषकों को रू. 10 करोड़ के कृषि ऋण का वितरण किया गया, जिसमें केसीसी के साथ-साथ कृषि अवसंरचना कोष स्वयं सहायता समूह एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना और कृषि यंत्र के ऋण सम्मिलित हैं, इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत दो लाभार्थियों को कुल रू.4.00 लाख के बीमा क्लेम के चेक प्रदान किये गये। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंक अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि बैंक ऑफ इंडिया भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों तक बैंकिंग सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुँचाता रहेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक सुभाषचन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर आंचलिक प्रबंधक सुनीत कुमार अग्रवाल, अग्रणी जिला प्रबंधक रामचन्द्र साहा, जागीर शाखा प्रबंधक शशांक पाण्डेय, कृषि विभाग से अपर जिला कृषि अधिकारी गौरव शाक्य सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैनपुरी में शादी के 6 माह बाद युवक ने की आत्महत्या, परिजनों ने बहू पर लगाया आरोप

टीएनएफ टुडे, कुरावली/मैनपुरी।

जनपद के कुरावली थाना अंतर्गत ग्राम चंद्रपुरा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां विवाह के मात्र छह महीने बाद ही एक 24 वर्षीय युवक अंकित पुत्र ईश्वर दयाल ने अपने कमरे में फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। अंकित का शव शनिवार सुबह परिजनों को उसके कमरे में फंदे से झूलता मिला, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

परिजनों के अनुसार अंकित की शादी फरवरी 2026 में फरुर्खाबाद निवासी गौरी के साथ हुई थी। घटना के वक्त मृतक की पत्नी अपने मायके गई हुई थी। मृतक के पिता ईश्वर दयाल ने अपनी बहू पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि शादी के बाद से ही वह मायके के किसी युवक से फोन पर लगातार बातचीत करती थी। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर गृहक्लेश और कहासुनी होती रहती थी। पिता के अनुसार, घटना से एक दिन पूर्व भी दोनों के बीच फोन पर तीखी बहस हुई थी, जिससे व्यथित होकर अंकित ने यह आत्मघाती कदम उठाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस मामले की गहनता से तफ्तीश कर रही है; पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों द्वारा लिखित शिकायत सौंपे जाने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर अब 20 को होगी बैठक

मैनपुरी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्यामलता आनंद ने बताया कि मतदेय स्थलों के संभाजन को अंतिम रूप देने के लिए 18 जुलाई को प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। अब यह महत्वपूर्ण बैठक 20 जुलाई को अपराह्न 4:00 बजे जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बैठक में मतदेय स्थलों के संभाजन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सांसद, सभी विधायकगण, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों तथा मंत्रियों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर मतदेय स्थलों के संभाजन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

संम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनीं जन-समस्याएं, भूमि सम्बन्धी प्रकरणों पर दिये तत्काल प्रभावी कार्यवाही के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, कुरावली/मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील कुरावली में जन-समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व, पुलिस विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर भूमि विवाद, अवैध कब्जों से सम्बन्धित शिकायतों का मौके पर जाकर समाधान कराएं, फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, चक-मार्गों पर जहां भी अनाधिकृत कब्जे हो, उन्हें तत्काल चिन्हित कर हटवाया जाए ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होने कहा कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण प्रत्येक विभाग के अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है इसलिए सभी अधिकारी सजग रहकर शिकायतों का निदान करें, किसी भी दशा में निर्धारित समय-सीमा के उपरांत कोई शिकायत किसी कार्यालय में लंबित न रहे।

श्री त्रिपाठी ने विशेष रूप से भूमि पर कब्जों से संबंधित प्रकरणों पर कहा कि जिन मामलों में पुनः कब्जा किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनमें संबंधित कानूनगो, लेखपाल, थानाध्यक्ष आज ही मौके पर पहुंचकर पैमाइश कराएं, वास्तविक व्यक्ति को तत्काल कब्जा दिलाया जाये, उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पैमाइश के उपरांत यदि किसी व्यक्ति द्वारा पुनः अवैध कब्जा किया गया हो तो उसके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कठोर कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न रहे, जहां कहीं भी सरकारी भूमि पर अतिक्रमण या कब्जे की शिकायतें प्राप्त हों, वहां तत्काल संयुक्त टीम भेजकर कब्जा हटवाया जाए, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि किसी भी दशा में भूमि की गलत नाप-तौल न की जाए, प्रत्येक पैमाइश पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ कराई जाए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम इसई नि. शशिभान ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि खतौनी में प्रार्थी का नाम त्रुटिवश शशिभान के स्थान सत्यभान अंकित हो गया है, जिस पर उन्होने मौके पर ही साक्ष्य प्राप्त कर खतौनी में नाम दुरूस्त कराकर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की।

आज जन-सुनवाई के दौरान तहसील कुरावली क्षेत्र के 114 शिकायतकताओं ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किये, जिसमें से 10 शिकायतों का मौके पर ही निदान कर फरियादियों को राहत प्रदान की। ग्राम कौआटोला नि. राम निवास ने भूमि पर किये गये अनाधिकृत कब्जे को हटवाने, ग्राम ईसई मांझपाटी नि. हरिकिशोर ने गाटा संख्या-210 की पैमाइश कराने, ग्राम खिरियापीपर नि. राम विलास ने दिलाये गये कब्जे पर विपक्षियों द्वारा पुनः कब्जा किये जाने, नहर पुल के पास नि. ज्ञाना ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम मिढ़ावली खुर्द नि. सियाराम ने अवैध कब्जे को खाली कराने, ग्राम खिरना नि. कालिका सिंह ने धारा-24 के वाद में पैमाइश कराने, ग्राम डगऊ नि. रीना देवी ने गाटा संख्या- 474 पर दबंगो द्वारा किये गये अवैध कब्जे को खाली कराये जाने, ग्राम सुजरई नि. रामसिंह ने गाटा संख्या-403 पर में अभिलेखों में संक्रमणीय कराने, ग्राम कमलपुर नि. अजय पाल ने गाटा संख्या- 514 पर विपक्षियों द्वारा किये गये अनाधिकृत कब्जे को हटवाने की शिकायत अपने शिकायती प्रार्थना पत्रों के माध्यम से की, जिन्हे सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण हेतु उपलब्ध कराया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, उप जिलाधिकारी कुरावली प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी कुरावली सच्चिदानन्द, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, परियोजना निदेशक शोभनाथ चौरसिया, उपायुक्त उद्योग डॉ. बनवारी लाल, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश बघेल, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ राम, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार आदि।

डीएम एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, 204 में से 11 का हुआ निस्तारण

शिकोहाबाद / जसराना । जनता की समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण सम्भव हो सके, इस उद्देश्य को लेकर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज शनिवार जसराना में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे की अध्यक्षता में किया गया। जिलाधिकारी ने अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनने के उपरांत विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निराकरण करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये। सम्पूर्ण समाधान समाधान दिवस के दौरान डीएम ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी समस्या के समाधान के उद्देश्य से ही सरकारी कार्यालय में आता है, इसलिए जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए । कोई भी फरियादी तहसील दिवस या किसी भी कार्यालय से निराश होकर नहीं लौटना चाहिए, पारदर्शिता के आधार पर सभी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

मैनपुरी में पर्यटन मंत्री ने सुनी फरियादियो की फरियाद, अवैध कब्जे पर मंत्री ने दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जन-सुनवाई के दौरान पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के सम्मुख जब ग्राम करीमगंज नि. सविता ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि प्रार्थिनी गरीब है और उसके पास रहने के लिए पक्का आवास नहीं है, शिकायतकर्ता ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में लाभान्वित कराये जाने की मांग की, जिस पर उन्होंने परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. को शिकायती पत्र पृष्ठांकित करते हुए कहा कि पात्रता की गहनता से जांच करायें यदि आवेदक पात्र हो तो पात्रता सूची में नाम शामिल कर लक्ष्य प्राप्त होते ही योजना में लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत सभी पात्र लाभार्थियों का नाम सूची में सम्मिलित हो, अन्य माध्यमों से भी आमजन को योजना की पात्रता के बारे में जागरूक किया जाये ताकि पात्र व्यक्ति योजना का लाभ पाने के लिए अपना नाम सूची में अंकित करा सकें।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि चकरोड की पैमाइश के उपरांत मनरेगा से मिट्टी का कार्य कराया जाए, किसी भी सार्वजनिक मार्ग पर अनधिकृत कब्जा न रहे, अवैध अतिक्रमण के कारण किसी भी व्यक्ति को आवागमन में असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पक्की पैमाइश, मेढ़बंदी के उपरांत पुनः कब्जा करने की शिकायतें भी प्राप्त हो रही हैं, पक्की पैमाइश, मेढ़बंदी के उपरांत यदि किसी के द्वारा कब्जा किया जाए तो उसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराकर दंडात्मक कार्यवाही की जाए, किसी गरीब, कमजोर वर्ग के व्यक्ति की भूमि पर कहीं अनाधिकृत कब्जा न रहे, पात्र व्यक्ति अपनी भूमि पर काबिज रहे, सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, खंड विकास अधिकारियों से कहा कि कहीं भी जलभराव की समस्या न रहे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विद्यालय प्रबंध समिति का गठन और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मैनपुरी में विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के गठन और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्राओं के अभिभावकों सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी की सर्वसम्मति से नई विद्यालय प्रबंध समिति का गठन संपन्न हुआ, साथ ही विद्यालय के विकास को गति देने के लिए भवन निर्माण समिति एवं शैक्षणिक समिति के सदस्यों का भी चयन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, छात्राओं की नियमित उपस्थिति को 70 प्रतिशत से अधिक ले जाने और पढ़ाई छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही छात्राओं की सुरक्षा, स्कूल की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और सरकार द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने की रणनीति बनाई गई।

सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के तहत विद्यालय और समाज के बीच समन्वय को और अधिक प्रगाढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लेखपाल संध्या यादव, कौशलेंद्र सिंह और विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं समेत समुदाय के अन्य प्रबुद्ध जनों से स्कूल के विकास कार्यों में निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनीत शुक्ला और सचिव व प्रधानाचार्य सुमन यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहीं, जबकि पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन सुनीता देवी द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन बिल्डिंगों का किया औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, कुरावली/मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने नव-सृजित तहसील कुरावली के निमार्णाधीन आवासीय, अनावासीय भवनों, तहसील भवन का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, डिजाइन, उपयोगिता तथा निर्धारित समय-सीमा की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अभियंताओं से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता न किया जाए, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जायें। उन्होने निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण करते हुए ड्राइंग रूम, डाइनिंग एरिया, शयनकक्ष, सर्वेंट रूम, स्टोर, ड्रेसिंग रूम, रसोईघर एवं स्नानागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोईघर में दीवारों पर पर्याप्त ऊँचाई तक टाइल्स लगाने, सिंक की उचित व्यवस्था करने, सीलन से बचाव के लिए बेहतर फिनिशिंग कराने, स्कर्टिंग की ऊँचाई बढ़ाने, दीवारों एवं फर्श की फिनिशिंग को बेहतर बनाने, सभी कमरों में उच्च गुणवत्ता की निर्माण सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रसोई, स्नानागार जैसे स्थानों पर गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए क्योंकि इन स्थानों पर स्थायित्व एवं स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। निरीक्षण के दौरान उन्होने कोटस्टोन की गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि कोटस्टोन की घिसाई, अंतिम फिनिशिंग अत्यंत उच्च स्तर की होनी चाहिए।

उन्होने परिसर में इंटरलॉकिंग एवं पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि भवनों के मध्य, मुख्य सड़क तक आने-जाने वाले समस्त मार्गों पर पर्याप्त इंटरलॉकिंग कराई जाए, सीमित क्षेत्र में इंटरलॉकिंग कराने से भविष्य में आवागमन, पार्किंग में कठिनाई होगी इसलिए आवश्यकतानुसार इसका दायरा बढ़ाया जाए, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित किया जाये, वर्षा ऋतु में जल-भराव से बचाव हेतु जल-निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने परिसर में प्रस्तावित हरित क्षेत्र, वृक्षारोपण, शौचालय, यूरिनल, सेप्टिक टैंक, सोक पिट की व्यवस्था का भी अवलोकन करते हुए कहा कि परिसर में पर्याप्त संख्या में छायादार पौधे लगाए जाएं।

श्री त्रिपाठी ने कार्यालय भवन का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों के चेंबर, न्यायालय कक्ष, रिकॉर्ड रूम, प्रतीक्षालय एवं अन्य कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान कक्षों में पर्याप्त प्रकाश, वेंटिलेशन का अभाव पाए जाने पर तत्काल अतिरिक्त खिड़की लगाये जाने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों के चेंबर, विश्राम कक्ष के निरीक्षण के दौरान कहा कि भवन की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए कमरों का व्यवहारिक उपयोग सुनिश्चित किया जाए, आवश्यकतानुसार कुछ कमरों को अधिकारियों के विश्राम कक्ष के रूप में विकसित किया जाये। उन्होने कहा कि महिला-पुरुष अधिकारियों के लिए पृथक-पृथक आधुनिक सुविधाओं से युक्त शौचालय विकसित किए जाएं, सार्वजनिक उपयोग के शौचालयों, अधिकारियों हेतु शौचालयों को अलग-अलग रखा जाये, शौचालयों में वॉश-बेसिन, कमोड, जलापूर्ति, स्वच्छता की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। तहसीलदार कक्ष एवं अन्य अधिकारियों के कमरों का निरीक्षण करते हुए पाया कि पूर्व प्रस्तावित डिजाइन के कारण कुछ कक्ष अपेक्षाकृत छोटे हो रहे हैं, जिस पर उन्होंने निर्देश दिए कि तकनीकी मानकों के अनुरूप आवश्यक संशोधन करते हुए कमरों को अधिक उपयोगी, सुविधाजनक बनाया जाए।

डीएम की पहल से शिकायतों के त्वरित निस्तारण को मिली गति, संपूर्ण समाधान दिवस में घट रही शिकायतों की संख्या

राजस्व-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मिल रहा मौके पर समाधान, जनता का प्रशासन पर बढ़ा भरोसा

- गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ही प्रशासन की प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी जवाबदेही तय : डीएम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं के प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील अलीगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अरविन्द सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन जी ने स्वयं उपस्थित होकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रत्येक अधिकारी शिकायतों को औपचारिकता न मानकर पूरी संवेदनशीलता के साथ उनका स्थलीय सत्यापन कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के लिए शिकायतों का उनकी प्रकृति एवं गंभीरता के अनुसार वर्गीकरण कर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर तत्काल कार्यवाही कराई जा रही है। इस व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या में अपेक्षाकृत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि अधिकांश समस्याओं का निराकरण पहले ही स्तर पर किया जा रहा है तथा आमजन का प्रशासन की कार्यशैली पर विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसी गति एवं गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र शिकायतकर्ता को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराई जाए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन जी ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को तत्काल कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस से जुड़े मामलों में पीड़ितों को त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील अलीगंज में कुल 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 7 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसील एटा सदर में 22 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 का तत्काल समाधान किया गया, जबकि तहसील जलेसर में प्राप्त 4 प्रार्थना पत्रों में से 1 का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई हेतु प्रेषित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

तहसील एटा सदर में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) तथा तहसील जलेसर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तहसील अलीगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मिश्र, उपजिलाधिकारी जगमोहन गुप्ता, तहसीलदार संजय कुमार, नायब तहसीलदार हिमांशु एवं वरुण कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपनिदेशक कृषि सुमित कुमार, जिला कृषि अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अलीगंज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जिलाधिकारी व एसएसपी ने लिया जायजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- अटेना घाट कम्पिल से जल लेकर आने वाले श्रद्धालुओं के यात्रा मार्ग अलीगंज सरोठ पिंजरी से जैथरा-कुरावली मार्ग तक व्यवस्थाओं का किया स्थलीय निरीक्षण
- श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

आगामी श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुगमता पूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अरविन्द सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन जी ने शनिवार को तहसील अलीगंज क्षेत्र में कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने फरुर्खाबाद जनपद के अटेना घाट (कम्पिल) से गंगाजल लेकर आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग अलीगंजझसरोठझपिंजरीझजैथराझ कुरावली का भ्रमण किया तथा मार्ग पर पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, सड़क की स्थिति, कच्ची पटरी की स्थिति, सुरक्षा प्रबंध, यातायात व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दें, कावड़ यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों का भी सहयोग लिया जाए तथा मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था सुचारू रखी जाए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार संजय कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा कर अवगत कराने के निर्देश दिए।

डीम और एसपी ने निर्माणाधीन मोहनपुरा बाईपास का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- समय से निर्माण कार्य पूरा करने के निर्माणदाई संस्था को दिए निर्देश
- निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा

डीएम, एसपी ने शनिवार को मोहनपुरा बाईपास सड़क का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने निमार्णाधीन पुल का विशेष रूप से अवलोकन किया और संबंधित कार्यदायी संस्था एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी कांवड़ यात्रा से पूर्व पुल से संबंधित आवश्यक निर्माण कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर परएसपी ओमप्रकाश सिंह एसडीएम संजीव कुमार, सीओ, लोक निर्माण विभाग एवं एनएच के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खादी एवं ग्रामोद्योग योजनाओं से आत्मनिर्भर बनें युवा: डीएम अरविन्द सिंह

स्वरोजगार के साथ दूसरों को भी दें रोजगार, योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- तहसील अलीगंज में खादी ग्रामोद्योग विभाग का जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करने तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की जनकल्याणकारी रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को तहसील अलीगंज परिसर में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा विशाल जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने प्रतिभाग करते हुए युवाओं एवं उपस्थित जनसामान्य से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है वह विभागीय योजनाओं के बारे में जागरुक होकर तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बने।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाला बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऋण के साथ-साथ नियमानुसार अनुदान (सब्सिडी) की सुविधा भी प्रदान की जाती है। ऐसे में युवा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर अपना उद्योग स्थापित करें तथा अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें।

कार्यक्रम में जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक सिंह ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं उपलब्ध वित्तीय सहायता की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं, महिलाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभाग निरंतर कार्य कर रहा है तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण एवं अनुदान का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी अलीगंज, तहसीलदार अलीगंज, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में जनसामान्य उपस्थित रहे।

1200मतदाताओं के आधार पर होगा मतदेय स्थलों का गठन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- मतदेय स्थलों के पुनर्गठन को लेकर हुई बैठक डीएम ने संबंधितों को
- निर्वाचन आयोग के निदेर्शों की दी जानकारी।

मतदेय स्थलों के पुनर्गठन को लेकर डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैठक हुई। जिला अधिकारी ने संबंधितों को निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों की जानकारी दी साथ ही निदेशों का पालन करें हुए मतदेय स्थलों के पुनर्गठन कार्य को समय से कर लेने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम प्रणय सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों की जानकारी देते हुए बताया गया कि मतदेय स्थलों का पुनर्गठन प्रति मतदेय स्थल अधिकतम 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर किया जा रहा है। इस दौरान यह सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए कि किसी परिवार का विभाजन न हो, एक ही भवन एवं एक ही गली के मतदाताओं को यथासंभव एक ही भाग में रखा जाए तथा किसी भी मतदाता को मतदान के लिए 2 किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े तथा प्राकृतिक बाधाओं का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत जनपद के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रस्तावित मतदेय केन्द्रों एवं मतदेय स्थलों की संख्या निर्धारित की गई है। इसके अनुसार 100-कासगंज विधानसभा क्षेत्र में 261 मतदेय केन्द्र एवं 417 मतदेय स्थल, 101-अमांपुर विधानसभा क्षेत्र में 267 मतदेय केन्द्र एवं 372 मतदेय स्थल तथा 102-पटियाली विधानसभा क्षेत्र में 277 मतदेय केन्द्र एवं 401 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। इस प्रकार जनपद में कुल 805 मतदेय केन्द्र एवं 1190 मतदेय स्थल प्रस्तावित हैं। अंतिम सूची बैठक में शरद गुप्ता (जिला कोषाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी), आकाश दीप वर्मा (जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी), संजय कुमार (जिला मीडिया प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी), विक्रम यादव (जिलाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी), धर्मेन्द्र सिंह (जिला कोषाध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी), सोमदत्त पाठक (विधानसभा सचिव, बहुजन समाज पार्टी) उप जिलाधिकारी - कासगंज संजीव कुमार, उप जिलाधिकारीअमांपुर एस.एन. त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी/ पटियाली आतीश कुमार सिंह, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी लक्ष्मीकान्त शर्मा उपस्थित रहे।

चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को चोरी की गयी चार बोरी पुट्टी सहित किया गया गिरफ्तार

एटा। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 इलामारन जि. के निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक नगर श्वेताभ पाण्डेय व अपर पुलिस अधीक्षक अपराध योगेन्द्र सिंह के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर कीर्तिका सिंह कुशल नेतृत्व मे वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मुअस0- 328/2026 धारा - 303(2) बीएनएस मे वाछित चल रहे एक अभियुक्त प्रदीप कुमार राजपूत पुत्र रामेश्वर सिंह नि0 फफोतू थाना रिजोर को चोरी की गई 04 बोरी पुट्टी सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अवैध शस्त्र बरामदगी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त अवैध असलहा सहित गिरफ्तार

एटा। जनपद में सुदृढ कानून व्यवस्था व अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 इलामारन जि. के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक नगर श्वेताभ पाण्डे? व अपर पुलिस अधीक्षक अपराध योगेन्द्र सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना अलीगंज पर अवैध शस्त्र बरामदगी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना अलीगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त मुकम्मिल खान पुत्र अवलेहसन निवासी मोहल्ला मेवातियान को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना अलीगंज पर मुअसं0 - 164/2026 धारा - 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत करते हुए थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कांवड़ यात्रा के दौरान ढाबों पर मांसाहार की बिक्री नहीं होगी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में पेट्रोल पंप एवं ढाबा संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी पेट्रोल पंप, होटल एवं ढाबों पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे संचालित अवस्था में लगाए जाएं। सभी प्रतिष्ठानों पर भोजन की रेट लिस्ट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए।

महिला आयोग की सदस्य ने जन चौपाल में सुनी महिलाओं की समस्याएं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक
- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भी किया निरीक्षण

राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़ ने कासगंज के विकासखंड सोरों के ग्राम हिमायूँपुर में आयोजित महिला जन चौपाल में महिलाओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों, विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्ध कानूनी संरक्षण के संबंध में जागरूक करते हुए उन्हें योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान मनोज कुमार शर्मा, मुख्य सेविका (सुपरवाइजर) पूनम लता, थाना प्रभारी शांति देवी, वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक प्रियंका यादव, ललितेश सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इसके उपरांत ब्लॉक सोरों स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हिमायूँपुर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था तथा समग्र विद्यालयीय वातावरण का अवलोकन किया गया। शिक्षिकाओं एवं विद्यालय कर्मियों के साथ छात्राओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, भावनात्मक सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी साझा किए गए।

मंडलायुक्त ने जन शिकायतें सुन निराकरण के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- तहसील पटियाली में लगा सपूर्ण समाधान दिवस
- कुल 32फरियादियों ने दर्ज कराई शिकायतें, तीन मौके पर निस्तारित

तहसील सहावर परिसर में मंडलायुक्त अलीगढ़ मंडल संगीता सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील पहुंचने पर मंडलायुक्त को पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। कुल 32शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से तीन का मौके पर निस्तरण किया गया। कमिश्नर ने अधीनस्थों को सभी समस्याओं को समय रहते निस्तारित करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी प्रणय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सहावर एस.एन. त्रिपाठी, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 03 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त संगीता सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रार्थना पत्र का निस्तारण पूरी गुणवत्ता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस तथा विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

खरीफ के लिए किसानों को समय पर मिलेगी सुविधा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज। मुख्य विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खरीफ एवं रबी 2026 के दृष्टिगत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कवरेज अभियान तथा जनपद स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन पात्र किसानों के पास अभी तक केसीसी नहीं है, उनकी पहचान कर कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, बैंक शाखाओं, सीएससी के समन्वय से विशेष अभियान चलाकर उन्हें केसीसी से जोड़ा जाए तथा आवेदनों के शीघ्र निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी पात्र किसानों का फसल बीमा 31 जुलाई 2026 तक कराए जाने, केसीसी का समय पर नवीनीकरण कराने तथा किसानों को समय से ऋण भुगतान के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही खरीफ सीजन में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग तथा निर्धारित दरों पर बिक्री सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

कलम कैमरा और कलाकार

डिजिटल सिनेमा के 'मसाले' से लेकर कला की कद्र तक

ओटीटी, सोशल मीडिया और सेंसरशिप पर बड़ा मंथन

डिजिटल क्रांति के इस दौर में ओटीटी (डळळ) और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने मनोरंजन की पूरी परिभाषा बदल दी है। आज कलाकारों और निर्देशकों के लिए जहाँ एक तरफ नए रास्ते खुले हैं, वहीं दूसरी तरफ कंटेंट में बढ़ती अश्लीलता, क्राइम और गिरती गुणवत्ता (क्वालिटी) को लेकर एक गंभीर चिंता भी पैदा हो गई है। इसी विषय पर उद्योग से जुड़े कलाकारों, निर्देशकों और विचारकों ने एक मंच पर आकर डिजिटल दुनिया के इस बेकाबू होते दौर पर अपनी बेबाक राय रखी है।

कंटेंट का बढ़ता 'मसाला' और सेंसरशिप की व्यावहारिक चुनौती

आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर टिके रहने और अपने कंटेंट को बेचने के लिए वल्गैरिटी और हिंसा का जमकर सहारा लिया जा रहा है। स्क्रीन पर परोसे जा रहे इस खुलेपन ने दर्शकों की मानसिकता को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाजार की इस अंधी दौड़ में दर्शकों का मन भी इस मसालेदार कंटेंट का आदी होता जा रहा है, जो समाज के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। यही वजह है कि अब इस बेलगाम होते कंटेंट पर कड़े अंकुश या सेंसरशिप की मांग तेजी से उठने लगी है।

हालांकि, इस बदलाव को लागू करना एक बड़ी चुनौती है। जानकारों का मानना है कि जब जनता को एक बार इस तरह के तीखे और मसालेदार कंटेंट का स्वाद लग जाता है, तो उन्हें वापस सादा और साफ-सुथरा सिनेमा पसंद नहीं आता। ऐसे में आगे बढ़ चुके दर्शकों को पुराने ढर्रे पर लाना बेहद मुश्किल काम है।

सोशल मीडिया का दायरा और बच्चों के भविष्य पर मंडराता खतरा

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर तो सरकारी नियम या सेंसरशिप लागू की जा सकती है, लेकिन सोशल मीडिया को पूरी तरह नियंत्रित करना लगभग नामुमकिन है। आज सबसे बड़ी चिंता मासूम बच्चों को लेकर है, जिनके हाथों में हर वक्त स्मार्टफोन रहता है। इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कई कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स व्यूज के चक्कर में अपनी मयार्दा भूल चुके हैं, और उनका यह एडल्ट कंटेंट बच्चों तक आसानी से पहुँच रहा है।

मनोवैज्ञानिक तौर पर देखें तो 14-15 साल के बच्चे ऐसी चीजें देखने के बाद अक्सर अपने माता-पिता से बात नहीं करते, बल्कि उनमें इस कंटेंट को लेकर एक अजीब सा कौतूहल जागने लगता है। इस समस्या को पूरी तरह प्रतिबंधित तो नहीं किया जा सकता, लेकिन इसका व्यावहारिक समाधान यही है कि माता-पिता बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, उन पर ध्यान दें और तकनीक के स्तर पर 'पेरेंटल कंट्रोल' जैसे सख्त फीचर्स का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, 'क्राइम पेट्रोल' और 'सीआईडी' जैसे शोज पर भी यह सवाल उठा कि वे अनजाने में लोगों को अपराध करने के तरीके सिखा रहे हैं। ऐसे में कंटेंट को पूरी तरह बैन करने के बजाय, उसमें कुछ ऐसे प्रेरणादायक तत्व जोड़ने चाहिए जो समाज को सही दिशा दिखा सकें।

कलाकारों के लिए 'आईपीएल' है ओटीटी, पर कहाँ खो गई क्वालिटी?

डिजिटल माध्यमों के जहाँ कुछ नुकसान हैं, वहीं इसके सकारात्मक पहलू भी हैं। आज सोशल मीडिया अपनी कला को दुनिया के सामने रखने का एक बेहतरीन जरिया बन चुका है। कलाकारों के लिहाज से देखें तो ओटीटी आज के दौर का 'आईपीएल' बन गया है, जिसने नए और छुपे हुए टैलेंट को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बहुत बड़ा और भव्य मंच दिया है।

लेकिन इस चमक-दमक के बीच मनोरंजन जगत से रचनात्मक गहराई और इंसानी भावनाएँ गायब होती जा रही हैं। केवल व्यूज और टीआरपी बटोरने की होड़ में कंटेंट की क्वालिटी से समझौता किया जा रहा है और लोग कुछ भी परोस रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कैमरे के सामने काम करने से पहले उस विधा को गहराई से सीखना बेहद जरूरी है। हालांकि, बाजार का एक कड़वा नियम यह भी है कि यहाँ हर तरह के दर्शकों की मानसिक समझ के हिसाब से हर स्तर का कंटेंट तैयार किया जाता है।

वैश्विक स्तर पर सराहना, मगर अपने ही देश में उपेक्षा

सिनेमा की इसी गिरती क्वालिटी और दर्शकों के बदले नजरिए पर कलाकारों का दर्द भी सामने आया है। भारतीय दर्शकों की पसंद पर सवाल उठाते हुए यह बात रेखांकित की गई कि देश में गहरे और गुणवत्तापूर्ण सिनेमा को वह तवज्जो नहीं मिलती जो मिलनी चाहिए। कई बार यहाँ के मेकर्स जब कोई बेहतरीन फिल्म बनाते हैं, तो उसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर तो खूब सराहना और रिव्यूज मिलते हैं, लेकिन जब वही सिनेमा अपने देश के दर्शकों के बीच आता है, तो लोग उसे एक लाइक तक नहीं देते। कला के प्रति यह उदासीनता फिल्म मेकर्स को निराश करती है।

अंतिम निर्णय दर्शक का विवेक

इस पूरी बहस के बीच एक बेहद सुलझा हुआ नजरिया यह भी सामने आया कि आखिरकार अंतिम फैसला दर्शक के अपने हाथ में होता है। डिजिटल बाजार का काम सिर्फ परोसना है, जहाँ अच्छा और बुरा हर तरह का कंटेंट खुलेआम उपलब्ध है। कोई भी प्लेटफॉर्म दर्शकों को जबरन कुछ नहीं दिखा सकता। एक समाज और एक व्यक्ति के रूप में यह पूरी तरह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम अपनी संस्कृति और जीवन के लिए इस भरे बाजार में से क्या चुनते हैं और किसे नकारते हैं।

डिजिटल युग के इस मोड़ पर सेंसरशिप के सख्त नियम और गाइडलाइंस समय की मांग हैं। लेकिन नियमों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण निमार्ताओं (मेकर्स) की अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी और दर्शकों की अपनी समझ है। डिजिटल दुनिया को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन इसके स्वरूप और दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक बदलाव लाना अब बेहद जरूरी हो चुका है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि बाजार का काम सिर्फ परोसना है, लेकिन विवेक हमारा अपना होना चाहिए। आज इस डिजिटल और आधुनिक बाजार में हर तरह का रंग, हर तरह की विचारधारा और हर स्तर का कंटेंट खुलेआम उपलब्ध है–अच्छा भी और बुरा भी। कोई भी आपको कुछ जबरन नहीं थमा सकता। आखिरकार सब कुछ इस बात पर 'डिपेंड' करता है कि एक समाज और एक व्यक्ति के रूप में आपकी खुद की भूख कैसी है। इस विशाल मार्केट में से हमें अपने जीवन और अपनी संस्कृति के लिए क्या चुनना है और किसे नकारना है, इसका पूरा दारोमदार और आखिरी फैसला सिर्फ और सिर्फ हम पर है।

-डॉ. ज्योति खंडेलवाल

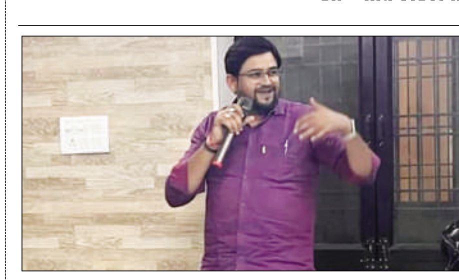

सच बात तो यह है कि आज इंडिया में लोग मूवीज की क्वालिटी और गहराई को बहुत ही कम पसंद करते हैं। मैंने खुद एक फिल्म बनाई, जिसे जब आउट ऑफ इंडिया (विदेशों में) दिखाया गया, तो वहाँ के लोगों ने मेरे कैरेक्टर को बेहद पसंद किया और उस पर बेहतरीन रिव्यूज भी दिए। लेकिन अफसोस की बात है कि जब वही फिल्म इंडिया में आई, तो यहाँ लोगों ने उसे एक लाइक तक नहीं किया।

-शिशिर मुद्गल

किसने क्या कहा....

आज आगरा और आस-पास के क्षेत्रों में हमारे स्थानीय कलाकार बिना किसी बड़े सपोर्ट के वेब सीरीज, शॉर्ट फिल्म्स और ब्रज संगीत पर लगातार बेहतरीन काम कर रहे हैं। फिल्म, एनीमेशन और VFX को मिलाकर यह दुनिया की सबसे बड़ी इंडस्ट्रीज में से एक है, जिस पर उत्तर प्रदेश सरकार भी बेहतरीन फिल्म नीति के तहत सब्सिडी दे रही है; लेकिन हमारे लोकल व्यापारियों और फाइनेंसर्स का ध्यान इस तरफ नहीं है। 'TNF Today' के इस 'कला मंथन' मंच का मुख्य उद्देश्य यही है कि हम सही टैलेंट और सही प्रोजेक्ट्स को सामने लाएं ताकि बिजनेसमैन का पैसा सुरक्षित जगह लगे। वहीं दूसरी तरफ, आज ओटीटी (OTT) प्लेटफॉर्म्स पर केवल व्यूज और मॉनेटाइजेशन के चक्कर में जो फूहड़ता, अश्लीलता और क्राइम परोसा जा रहा है, वह हमारे युवाओं और बच्चों के मानसिक विकास को पथभ्रष्ट कर रहा है। कला में रचनात्मक आजादी जरूरी है, लेकिन सामाजिक मयार्दा भी उतनी ही आवश्यक है। हम इस मंच के माध्यम से आने वाले समय में एक बड़ा कॉन्क्लेव करने जा रहे हैं और साथ ही ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री तक भी यह आवाज पहुँचाएंगे कि ऐसे कंटेंट पर एक नैतिक नियंत्रण और सेंसरशिप की व्यवस्था बेहद जरूरी है।

-सूरज तिवारी
(फिल्म लेखक एवं निर्देशक)

आज के समय में ओटीटी (OTT) और विभिन्न चैनल्स पर जो कंटेंट परोसा जा रहा है, वह बहुत गंभीर विषय है। यह हमारे परिवारों को क्राइम की ओर ले जा रहा है जिससे हमारी संस्कृति और धर्म को बड़ा नुकसान हो रहा है। भारतीय सिनेमा का इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है, जहाँ फि ल्मों पर लगाम लगाने और अश्लीलता व हिंसा रोकने के लिए 1951 में सेंसर बोर्ड की स्थापना की गई थी; लेकिन आज के डिजिटल दौर में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी हो गया है। आज व्यूज के चक्कर में अमर्यादित भाषा और गालियों को आम बात समझा जा रहा है, जिससे हमारी बुनियादी पीढ़ी और बच्चों का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। समाज में बढ़ते क्राइम और पारिवारिक तालमेल की कमी के पीछे कहीं न कहीं ऐसे ही दृश्यों का गहरा प्रभाव है। 'TNF Today' के 'कला मंथन' मंच ने एक बेहतरीन और जागरूक शुरूआत की है। कला में रचनात्मकता का दम नहीं टूटना चाहिए, इसलिए हम माँग करते हैं कि सरकार को इस पर गंभीरता से गौर करना चाहिए और ओटीटी पर भी सेंसर बोर्ड जैसी व्यवस्था लागू करनी चाहिए ताकि हमारे संस्कार बचे रहें।

-संजय कुमार
(अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता)

सच कहूँ तो आज के कलाकारों के लिए ओटीटी (OTT) एक तरह से आईपीएल (IPL) बन चुका है, जहाँ हर किसी को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मौका मिल रहा है। सोशल मीडिया आज के दौर में अपनी कला को बाहर निकालने और दुनिया के सामने रखने का एक बहुत ही शानदार प्लेटफॉर्म साबित हो रहा है। आजकल के इस अंधाधुंध कंटेंट के चक्कर में इंसानों के भीतर की भावनात्मकता (भावनाएँ) धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। जब कंटेंट में क्वालिटी (गुणवत्ता) ही नहीं बची है, तो लोग व्यूज के चक्कर में कुछ भी बना देते हैं, मर्यादा का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा। कैमरे के सामने आकर कुछ भी काम करने से पहले, उस विधा को गहराई से सीखना बहुत जरूरी है, बिना सीखे कुछ भी परोस देना सही नहीं है। हमें यह भी समझना होगा कि बाजार में हर प्रकार के दर्शकों के लिए, उनकी पसंद और समझ के हिसाब से हर प्रकार का कंटेंट बनाया जाता है।

-राहुल गुप्ता

मैं खुद 23-23 साल का हूँ और काफी समय से ये सब देखता आ रहा हूँ। राज कपूर साहब के दौर से लेकर आज के 'सावधान इंडिया' जैसे शोज तक, स्क्रीन पर कुछ भी दिखा दिया जाता है और पब्लिक को उसे स्वीकार करना ही पड़ता है। लेकिन आज के समय में जब सब कुछ फोन में आ गया है, तो यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कुछ भी चल रहा है. कुछ कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स तो अपनी मयार्दा ही भूल गए हैं. वे यह नहीं सोचते कि उनके ये वीडियोज मासूम बच्चों के पास भी जा रहे हैं। मेरे खुद के छोटे-छोटे भांजे हैं, जिनके हाथों में फोन है. जब बच्चे ये सब देखेंगे, तो उनकी मानसिकता पर क्या असर पड़ेगा, यह बेहद गंभीर बात है. मनोविज्ञान (Psychology) के लिहाज से देखें तो 14-15 साल के बच्चे अक्सर ऐसी बातें अपने माता-पिता से शेयर नहीं करते. उनमें अपोजिट जेंडर और गाली-गलौज को लेकर एक अजीब सा कौतूहल (Infterest) जागता है कि आखिर घरवाले उन्हें ये सब देखने से मना क्यों कर रहे हैं? अगर किसी को लगता है कि इस एडल्ट

कंटेंट को पूरी तरह से रोका जा सकता है, तो यह मुमकिन नहीं है क्योंकि इसकी जड़ें बहुत मजबूत हो चुकी हैं. हाँ, हम फोन में पासवर्ड लगा सकते हैं, बच्चों पर ध्यान दे सकते हैं और उनके साथ फ्रेंडली होकर उन्हें सही-गलत का फर्क सिखा सकते हैं. हम लोग भी 'ऑडी फिल्म्स' के डायरेक्टर अंकित भैया के साथ मिलकर अलग-अलग विधाओं में काम करते हैं और एक्सपेरिमेंट के तौर पर कभी-कभार थोड़ा बहुत डबल-मींनिंग कंटेंट हमसे भी बन जाता है, लेकिन वह वल्गर नहीं होता. पर हर कोई हमारे जैसा नहीं है, कुछ लोगों का तो सब्जेक्ट ही सिर्फ एडल्ट कंटेंट बनाना है।मैं सूरज सर की इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि मेकर्स और आर्टिस्ट्स की अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वे ऐसा कंटेंट न बनाएँ। आज इस मंच पर हमारी यह चर्चा एक बेहद अच्छी शुरूआत है। भले ही इसे पूरी तरह रोकना बेहद मुश्किल है, लेकिन हम ऐसे कंटेंट का पूरी तरह से बॉयकॉट (बहिष्कार) करके और इसके खिलाफ आवाज उठाकर अपनी ज़िम्मेदारी जरूर निभा सकते हैं।

-शिव तिवारी

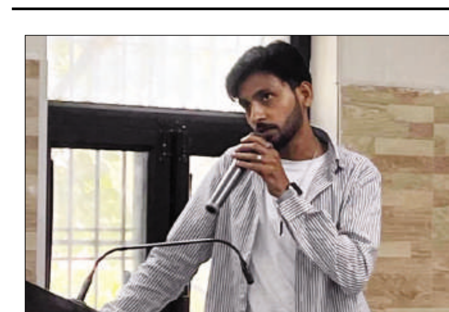

आज सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर जिस तरह का कंटेंट परोसा जा रहा है, वह समाज में अनपेक्षित बदलाव ला रहा है। अगर हमें लगता है कि इससे समाज में कोई विसंगति फैल रही है, तो हमें उन गाइडलाइंस को अपनाना चाहिए जो विदेशों (Overseas) में सख्ती से लागू की जाती हैं। यदि कोई फिल्म या वेब सीरीज 'A' (Adult) सर्टिफिकेट की है, तो बच्चों को उससे दूर रखना बेहद जरूरी है। इस पूरी व्यवस्था में सरकार का कड़ाई से दखल देना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। अगर हम नियमों और सेंसरशिप को सख्ती से लागू नहीं कर पा रहे हैं, तो मिर्जा गालिब साहब का एक शेर इस स्थिति पर बिल्कुल सटीक बैठता है– 'दर्द का हद से गुजर जाना है दवा हो जाना'। यानी फिर तो स्थिति को इस हद तक जाने दीजिए कि लोग इसे सामान्य (Normalize) मान लें और किसी को किसी बात से कोई फर्क ही न पड़े।यह पूरी जिम्मेदारी बड़े और स्थापित फिल्म निमार्ताओं की भी है, जिन्हें समाज के प्रति अपनी जवाबदेही समझनी होगी। सरकार की तरफ से जो भी गाइडलाइंस आएं, उन्हें केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया जाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और मर्यादित समाज का निर्माण हो सके।

-जीतेश , कलाकार